नई किरण

हिंदी पाठमाला

4

नई किरण

हिंदी पाठमाला

4

Franklin PUBLICATION

Creation helps the mankind

Edition : Ist

Author :

Printer's :

Editor :

Designed By :

Editone International Pvt. LTd.

ISBN :

Copyright Reserved © Editone International Pvt. Ltd.

All rights reserved. No part of this work may be reproduced or copied in any material form (including photo-copying or storing it in any medium in form of graphics, electronic or mechanical means and whether or not transient or incidental to some other use of this publication) without written permission of the copyright owner. Any breach of this will entail legal action and prosecution without further notice.

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice which shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publisher nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of action to any one, of any kind, in any manner therefrom.

\- Publisher

आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक में भाषा के चारों कौशल–श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर बल दिया गया है। पुस्तक में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। यह पुस्तक विद्यार्थियों की भाषा में बारीक समझ को विकसित करने में सक्षम है। इस पुस्तक में पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृति का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रस्तुत पुस्तक की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

इस पुस्तक में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत–कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मज़बूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस श्रृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ से सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का भी दृष्टिकोण समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि यह पुस्तक छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी।

–प्रकाशक

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
	मैं जो चाहूँ (चित्रकथा)	5
1.	एक सवाल (कविता)	8
2.	कछुआ और हंस (कहानी)	17
3.	एक अनोखी रेलयात्रा (यात्रा-वृतांत)	26
4.	कदंब का पेड़ (कविता)	37
5.	थॉमस एल्वा एडीसन (जीवनी)	44
6.	बुद्ध और अंगुलिमाल (कहानी)	51
7.	वीर तुम बढ़े चलो (कविता)	59
8.	नजरबट्टू (कहानी)	65
9.	शिष्टाचार (निबंध)	72
10.	बालभवन की सैर (पत्र)	79
11.	सर आइजक न्यूटन (कविता)	84
12.	सैर सपाटा (डायरी लेखन)	90
13.	भारत माँ का वीर सपूत (कविता)	96
	अभ्यास प्रश्न पत्र-1	101
	अभ्यास प्रश्न पत्र-2	103

मैं जो चाहूँ (चित्रकथा)

(केवल पठन हेतु)

कल्टू अगले ही पल आग में कूद पड़ा।
एक कंजूस ही अपने रुपये थैले में रख सकता है।
थोड़ी देर बाद कल्टू रुपयों का थैला लेकर बाहर आया।
ओह, उसने तो यह काम कर दिखाया! वाह!
लाओ, थैला मुझे दे दो!
इतनी भी जल्दी क्या है, भाई! याद कीजिए हमारे बीच क्या तय हुआ था? मैंने कहा था कि मैं जो चाहूँगा वही आपको दूँगा और बाकी का खुद रख लूँगा। मैं आपको यह दूँगा।
सिर्फ एक रुपया... धोखेबाज़... मेरा थैला मुझे लौटा दो, वरना...
वरना तुम क्या करोगे... बताओ तो जरा...?
मैं तुम्हें न्यायाधीश के पास ले चलूँगा और जेल में डलवा दूँगा।

नगर के न्यायाधीश के पास चलो, वहीं मामला झट से निपटा लेते हैं।
तो फिर चलो।

जल्द ही मामला न्यायाधीश के सामने पहुँचा। न्यायाधीश ने कुछ देर तक उस पर विचार किया और अपना फैसला सुनाया।
कल्टू, न्यायालय का आदेश है कि तुम रुपयों से भरा थैला हरिलाल को लौटा दो और वह एक रुपया खुद ले लो, बतौर इनाम
लेकिन न्यायाधीश जी, हमारे बीच तय हुआ था कि...

मैं जानता हूँ कि क्या तय हुआ था। तय यह हुआ था कि तुम जो चाहोगे वही हरिलाल को दोगे और बाकी का खुद रख लोगे लेकिन तुम इस बात पर कायम नहीं रहे।
लेकिन मैंने तो वही किया जो मैंने कहा था।
नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया। तुमने चाहा कि नोटों से भरा थैला स्वयं अपने पास रखूँ और तुमने वैसा ही किया। किया न? अब तयशुदा बात के तहत तुमने जो चाहा वही हरिलाल को देना होगा इसलिए नोटों से भरा वह थैला हरिलाल को दे दो, अभी... इसी वक्त।

मेरा फैसला अंतिम है। किसी भी तरह की बहस की तो मैं तुम्हें जेल में डलवा दूँगा, समझे।
लेकिन... लेकिन
अब रुपयों का थैला हरिलाल को दे दो और एक रुपए का नोट ले लो।

कल्टू को आदेश का पालन करना पड़ा।
गुर्र्रर... मैंने अपनी जान लगा दी पर मुझे क्या मिला।
सही फैसला हुआ है, न्यायाधीश जी ज़िंदाबाद!

अध्याय 1

एक सवाल
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

✤ चित्र को कक्षा में दिखाकर उस पर चर्चा करें कि ऐसा ही क्यों होता हैं?

कविता का मूल तत्व

बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करना, समस्या समाधान जैसे कौशल के लिए मनोबल बढ़ाते हुए जागरुक करना।

आओ, पूछें एक सवाल!
मेरे सिर में कितने बाल?

कितने आसमान में तारे?
बतलाओ या कह दो हारे!

नदियाँ क्यों बहती दिन-रात?
चिड़िया क्या करती है बात?

क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?

फूल कहाँ से पाते रंग?
क्यों न रहते जीव सब संग?

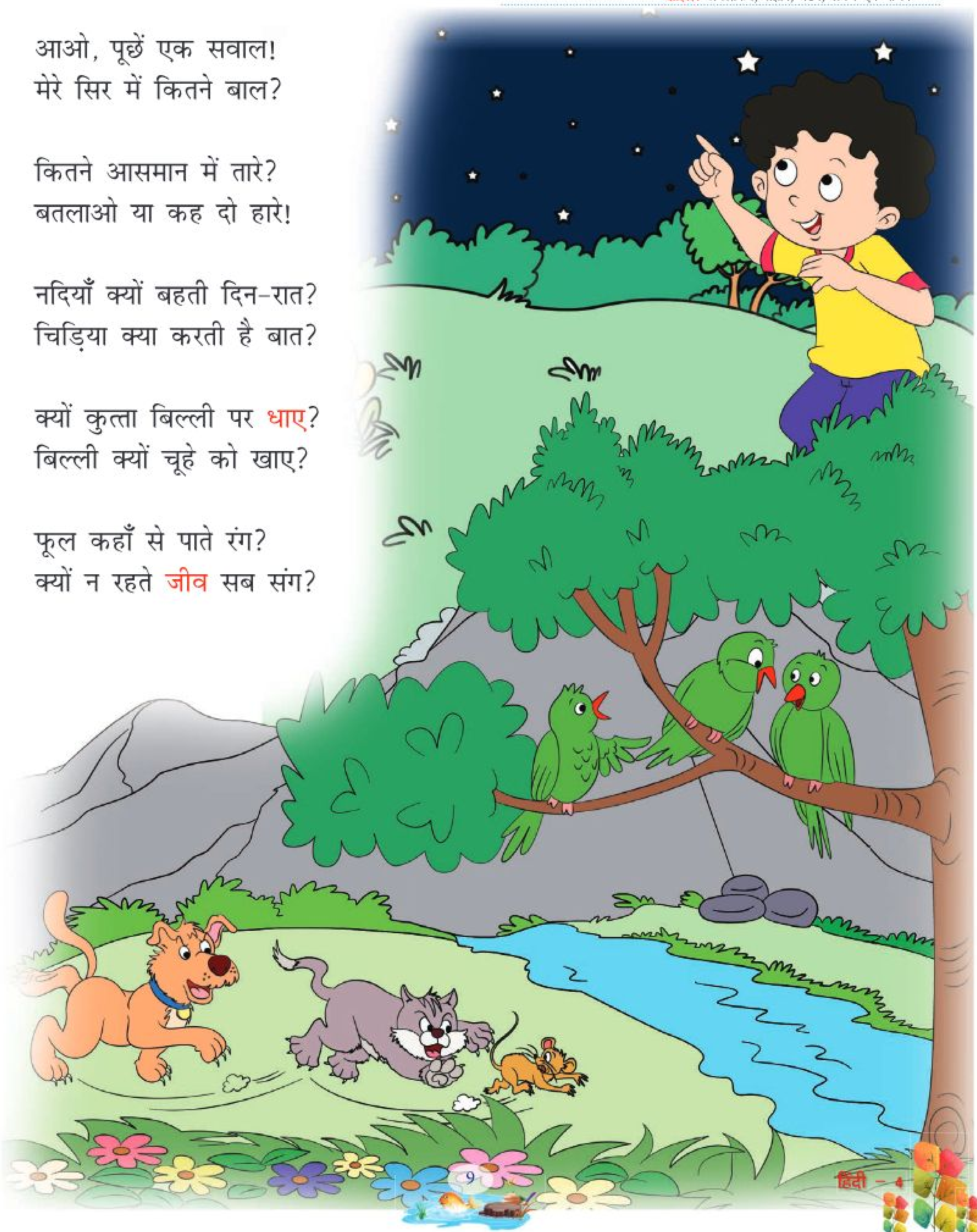

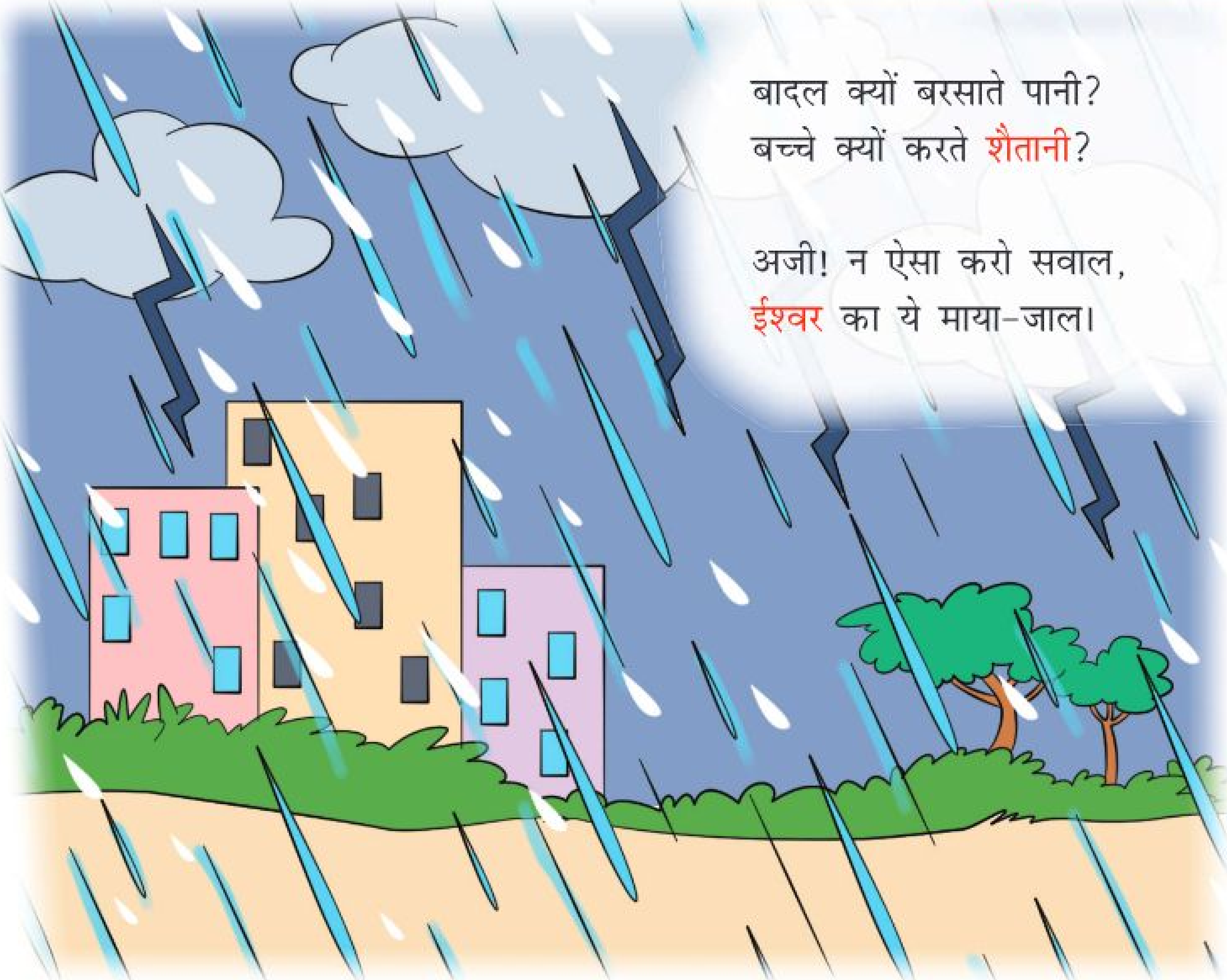

बादल क्यों बरसाते पानी?
बच्चे क्यों करते शैतानी?

अजी! न ऐसा करो सवाल,
ईश्वर का ये माया-जाल।

शब्दार्थ

ईश्वर	=	भगवान	जीव	=	पशु, पक्षी, इंसान
धाए	=	हमला	शैतानी	=	उधम मचाना

उच्चारण करें

नदियाँ चिड़ियाँ शैतानी ईश्वर बतलाओ

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कविता का भावार्थ समझाएँ साथ ही पंक्तियों के माध्यम से कुछ रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) आसमान में तारे कब दिखाई देते हैं?

(ख) क्या फूलों के बहुत-से रंग होते हैं?

(ग) चूहे को कौन खाता है?

(घ) पानी कौन बरसाता है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) आसमान में तारों के साथ कौन दिखाई देता है?

....

(ख) नदियों के बहने का समय क्या है?

....

(ग) जीव साथ-साथ क्यों नहीं रहते?

....

(घ) बरसात कौन करता है?

....

3. नीचे दी गई पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

क्यों कुत्ता, बिल्ली पर धाए?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?
फूल कहाँ से पाते रंग?
क्यों न रहते जीव सब संग?

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. अगर धरती पर वृक्ष न रहें तो क्या होगा? सोचकर बताइए।

5. चूहा, बिल्ली और कुत्ता यदि आपस में बात कर पाते, तो एक-दूसरे से क्या कहते? विचार कीजिए।

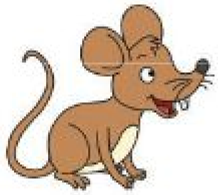

....

....

....

....

....

....

....

....

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) धरती - ....

(ख) दिन - ....

(ग) रंग - ....

(घ) सवाल - ....

(ङ) जीत - ....

7. एकवचन को बहुवचन में लिखिए।

एकवचन		बहुवचन
(क) तारा	–	....
(ख) चिड़िया	–	....
(ग) नदी	–	....
(घ) चूहा	–	....
(ङ) बच्चा	–	....

8. कविता में आए संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए।

बादल फूल कुत्ता करो खाए संग शैतानी नदियाँ

....

....

9. तुकांत शब्द लिखिए।

(क) बाल – ....

(ख) बहती – ....

(ग) फूल – ....

(घ) पानी – ....

10. समान अर्थ वाले शब्द लिखिए।

(क) आसमान – ....

(ख) फूल – ....

(ग) बादल – ....

(घ) नदी – ....

(ड़) पानी – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

11. चित्र को देखकर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए और आपके मन में क्या-क्या सवाल उठ रहे हैं? उन्हें लिखिए।

....

....

....

....

12. इन चित्रों को ध्यान से देखते हुए बताइए कि दोनों चित्रों में क्या अंतर है? कारण भी लिखने का प्रयास करें।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

13. बूझो तो जानें! पहेली को चित्र के साथ मिलाएँ।

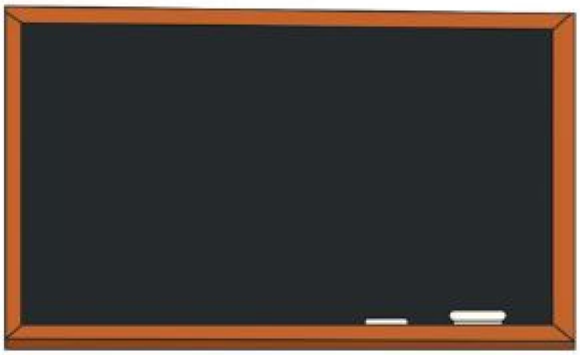

(क) तीन अक्षर का नाम है,
आगे से पढ़ो या पीछे से
मतलब एक समान है।

(ख) कटोरे पर कटोरा,
बेटा बाप से भी गोरा।

(ग) सबको मैं देता हूँ ज्ञान,
काला रंग है मेरी शान।

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

14. नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए।

अध्याय 2

'कछुआ और हंस'
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

कहानी का मूल तत्व

प्रस्तुत कहानी में कछुआ और हंस के आपसी संवाद के बारे में बताया गया है। जिसमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य से काम लेने की सीख दी गई है।

एक बड़े से तालाब में एक कछुआ रहता था। उस तालाब में दो हंस रोज़ पानी पीने आते थे। इस दौरान तीनों मिलकर खूब बातें करते। धीरे-धीरे तीनों में गहरी मित्रता हो गयी।

एक बार कई दिनों तक सूखा पड़ने के कारण तालाब का पानी कम हो गया। इस बात से अब कछुआ और दोनों हंस चिंतित होने लगे।

कछुए ने कहा -मित्रों तालाब का पानी तो बहुत कम हो गया है। अब बचा हुआ पानी भी ज्यादा दिन नहीं चलेगा। मित्रों अब हमें जल्दी ही किसी नए तालाब की खोज करनी चाहिए ताकि हम वहाँ आराम से रह सके। अगले दिन दोनों हंस एक नये तालाब की तलाश में उड़ जाते है और वापस आकर कछुए को बताते हैं।

एक हंस बोला- मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है, जो यहाँ से बहुत दूर है।

उसमें अभी काफी पानी हैं। हम वहाँ आराम से रह सकतें हैं। वहाँ इसलिए अब हमें जल्दी ही यहाँ से चलने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

लेकिन अब समस्या यह थी कि दोनो हंस तो उड़ सकते थे लेकिन कछुआ उड़ना नही जानता था।

फिर उन्होंने एक योजना बनाई कि दोनों हंस एक बड़ी-सी लकड़ी को दोनो किनारों से पकड़ लेंगे और कछुआ उस लकड़ी को बीच में से अपने मुँह से पकड़ लेगा।

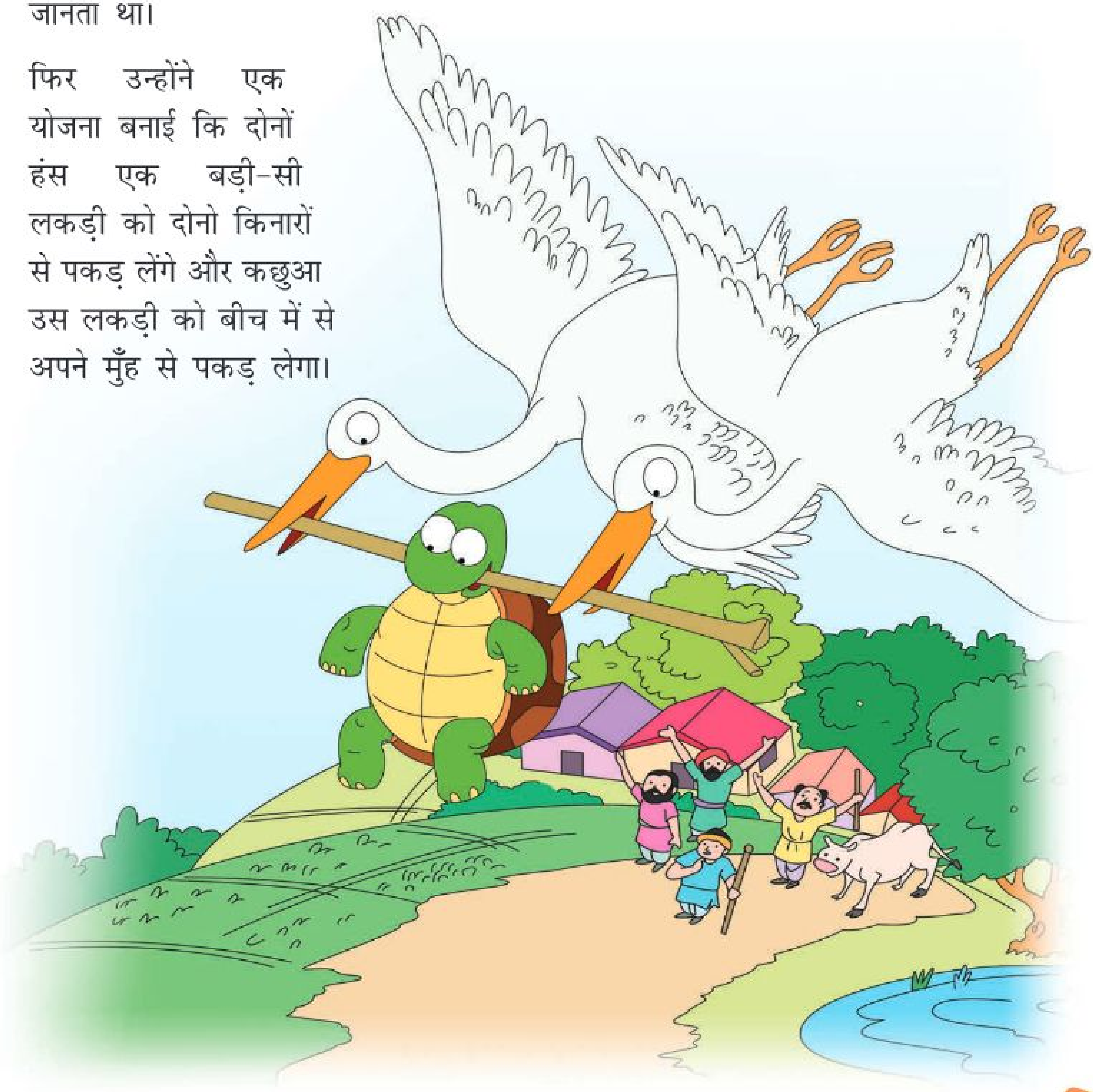

हाँ, ये उपाय ही हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा–कछुआ बोला।

लेकिन दोस्त इसमें खतरा भी बहुत है, बस तुम लकड़ी को मजबूती से मुँह में दबाकर रखना और बिल्कुल भी मुँह मत खोलना–एक हंस ने कछुए से बोला।

हाँ... हाँ तुम दोनो इस बात की बिल्कुल भी चिंता मत करो, कछुआ बोला।

अगले दिन सबकुछ योजना के अनुसार ही हुआ। एक लकड़ी जिसको दोनों सिरों से दोनो हंसो ने पकड़ लिया और बीच में कछुए ने उस लकड़ी को अपने मुँह में दबा लिया।

जब उड़ते हुए तीनो एक गाँव के ऊपर से गुजर रहे थे तो गाँव के लोगों नें कहा–अरे! देखो वो दोनों हंस उस बेचारे कछुए को पकड़ कर ले जा रहे है और आगे जाकर ये उस कछुए को मार देंगे।

गाँव वालों की इन बातों को सुनकर कछुए से रहा न गया और जोर से बोला – अरे! मूर्खों ये तो मेरे दोस्त है।

कछुए ने जैसे ही यह बोलना शुरू किया तो कछुआ सीधा नीचे जमीन पे जा गिरा और वहीं उसका दम निकल गया।

ये देखकर दोनो हंस बहुत दुःखी हुए लेकिन अब वो कुछ नहीं कर सकते थे। अब उन्होंने आगे बढ़ना ही उचित समझा।

शब्दार्थ

तालाब	= छोटा जलाशय, पोखड़	सूखा पड़ना	= जहाँ जल की कमी पड़ जाती है
तलाश	= खोज, छानबीन	चिंतित	= चिंता करना
आराम	= सुख	बेचारे	= लाचार, बेसहारा

उच्चारण करें

मित्रता खोज तालाब उड़ना खतरा

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को इस कहानी का मूल तत्व समझाएँ एवं कहानी से मिलने वाली प्रेरणा के बारे में बताएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) तालाब में कौन-कौन रहता था?

(ख) कछुआ किसका मित्र था?

(ग) तालाब को कछुआ क्यों छोड़ना चाहता था?

(घ) कछुआ किसको पकड़कर उड़ना चाहता था?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हंस ने अपने दोनों मित्रों को क्या उपाय सुझाया?

....

(ख) हंसों ने कछुआ को क्या समझाया?

....

(ग) कछुआ नीचे क्यों गिर पड़ा?

....

(घ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती हैं?

....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) एक बड़े तालाब में एक .... रहता था।

(ख) अब कछुआ और दोनों हंस .... होने लगे।

(ग) मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को .... है।

(घ) दोनो हंस एक बड़ी-सी लकडी को दोनों .... से पकड़ लेंगे।

(ङ) अगले दिन सबकुछ .... के अनुसार ही हुआ।

4. दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कर (✓) का निशान लगाइए।

(क) तीन मित्र कौन-कौन थे?

- ▢ दो हंस एक कछुआ
- ▢ कछुआ और हंस
- ▢ एक हंस
- ▢ एक कछुआ

(ख) दूसरे तालाब में किसे जाना था?

- ▢ हंसों को
- ▢ कछुए को
- ▢ लोगों को
- ▢ सभी को

(ग) तालाब क्यों सूखने लगा?

- ▢ बहुत सर्दी की वजह से
- ▢ बहुत वर्षा की वजह से
- ▢ बहुत गर्मी की वजह से
- ▢ उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) हंस कहाँ की ओर निकल पड़े?

- ▢ खाना की खोज में
- ▢ दूसरे तालाब की खोज में
- ▢ मोती की खोज में
- ▢ उपरोक्त में से कोई नहीं

5. नीचे दिए संकेतों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) मित्रों! तालाब का पानी तो बहुत कम हो गया है, अब बचा हुआ पानी ज्यादा दिन नही चलेगा।

किसने कहा - ....

किससे कहा - ....

(ख) मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है।

किसने कहा - ....

किससे कहा - ....

(ग) हाँ, ये उपाय ही हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा।

किसने कहा - ....

किसने कहा - ....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

6. जब परिस्थितियाँ आपके अनुकूल नही होती है तो उस स्थिति में आपको क्या करना चाहिए? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. हिंदी वर्णमाला में कितने स्वर होते हैं? लिखिए।

....

....

....

....

....

8. दिए गए वाक्यों में वचन की पहचान कीजिए।

वचनः संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति वस्तु के एक अथवा एक से अधिक होने का पता चले उसे वचन कहते हैं।

जैसेः लड़का पढ़ता है - यहाँ लड़का का एकवचन होने का पता चलता हैं।

लड़कियाँ खेलती हैं- यहाँ लड़कियाँ से बहुत सारी संख्या या बहुवचन होने का पता चलता है।

कुत्ता भौंक रहा है। - ....

शेर दहाड़ रहा है। - ....

घोड़ा घास खा रहा है। - ....

चूहे नाच रहे हैं। - ....

बंदर केले खा रहे हैं। - ....

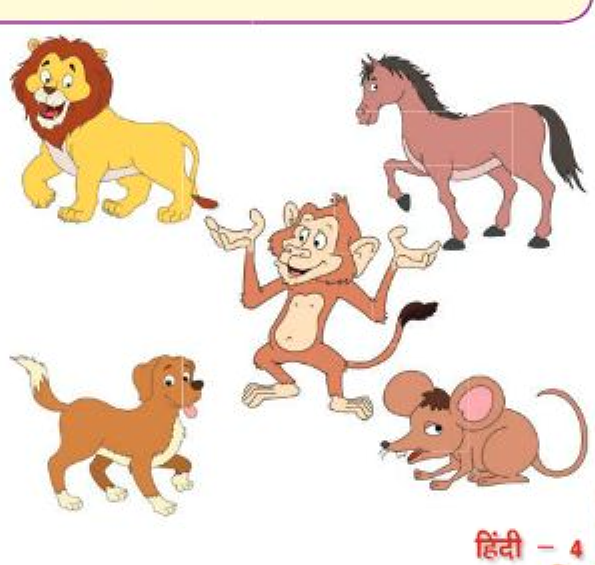

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. 'जल ही जीवन है' इस कथन की पुष्टि करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

....

....

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

9. नीचे दिए गए मार्गों का इस्तेमाल कर कछुआ को तालाब तक पहुँचाए।

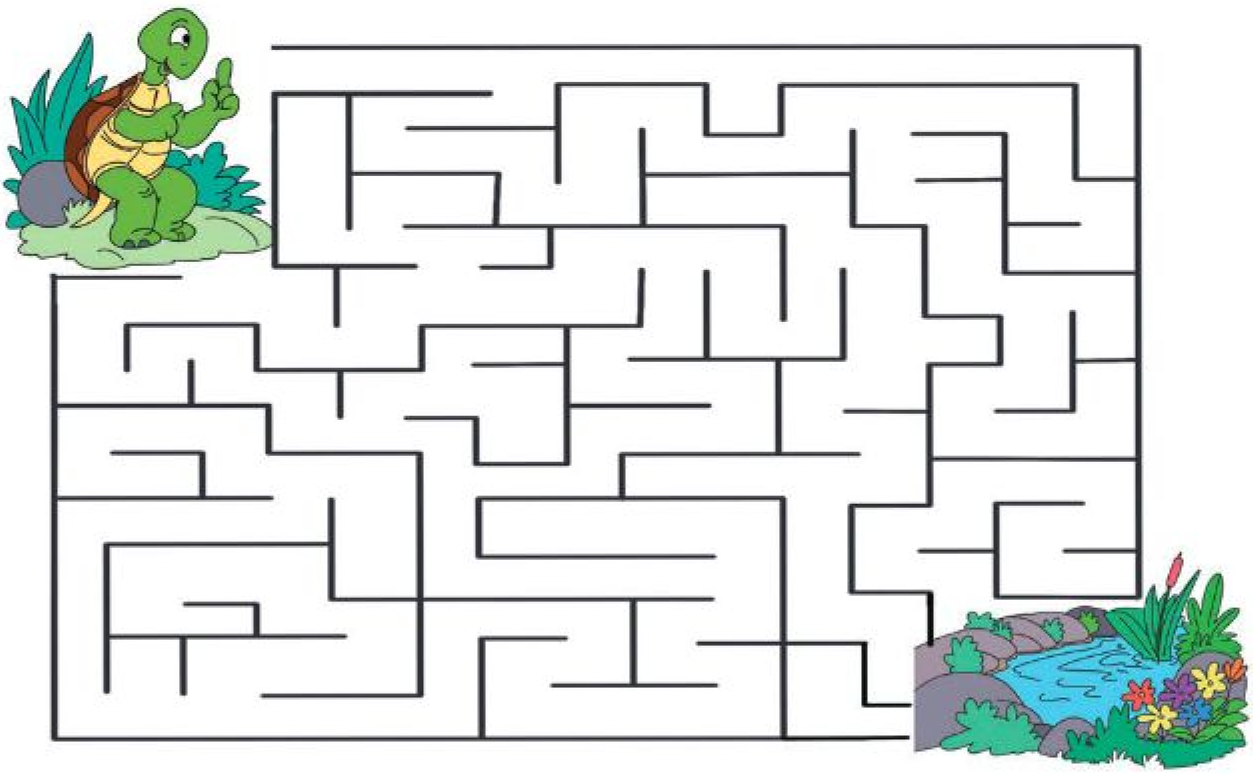

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

10. नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए।

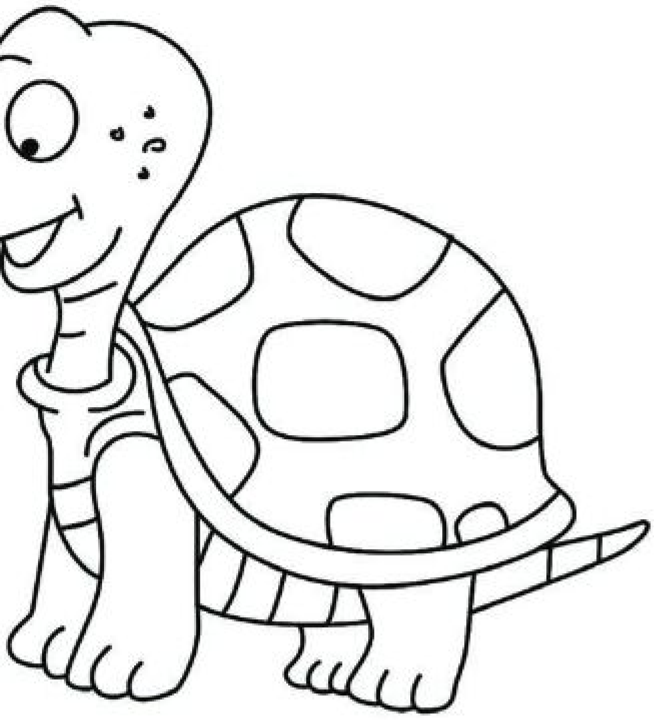

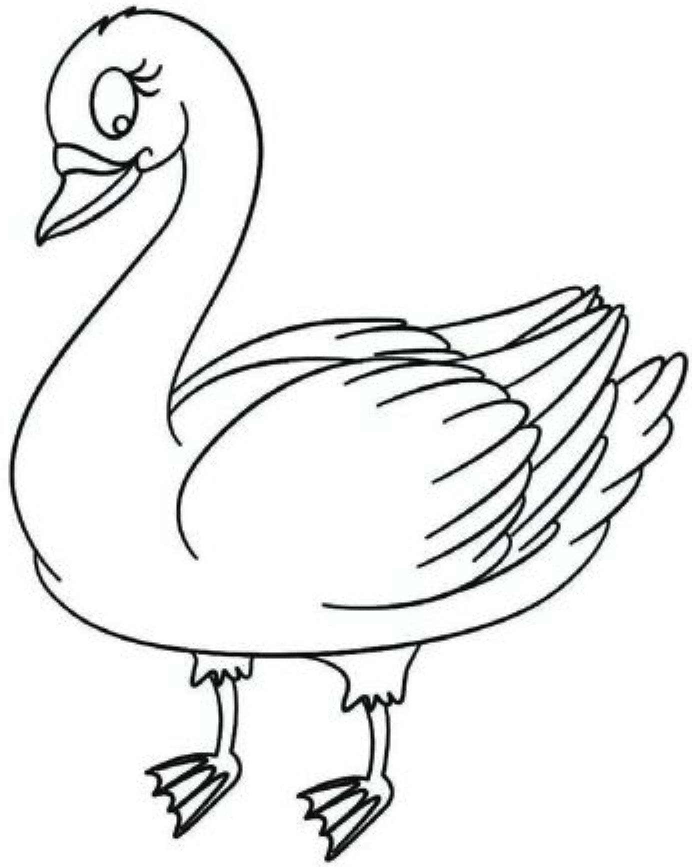

अध्याय 3

एक अनोखी रेलयात्रा
(यात्रा-वृतांत)

अध्ययन से पूर्व

शिक्षक/शिक्षिका चित्र के माध्यम से कक्षा में यह चर्चा करें कि यह चित्र कहाँ का हो सकता है? क्या आपने कभी रेल-यात्रा की है?

यात्रा वृतांत का मूल तत्व

इस यात्रा-वृतांत के माध्यम से लेखक द्वारा भारतीयों पर अंग्रेजों द्वारा किए जाने वाले दुर्व्यवहारों के एक छोटे से अंश को उजागर किया गया है जो भारतीयों के दासता को दर्शाता है।

शाम का समय था। मैं प्लेटफार्म पर खड़ा अपने मित्र की प्रतीक्षा कर रहा था। रेलगाड़ी के इंजन की भक-भक से प्लेटफार्म पर कुछ भी साफ़ सुनाई नहीं दे रहा था। अचानक रेलगाड़ी की लम्बी सीटी की आवाज़ ने मेरे हृदय की धड़कन को बढ़ा दिया। इसलिए नहीं कि मुझे सीटी की आवाज़ से डर या घबराहट होती थी, बल्कि इसलिए कि जिसकी इंतज़ार में मैं समय से पहले प्लेटफार्म पहुँचकर प्रतीक्षा कर रहा था, वह मेरा दोस्त अभी तक नदारद था। मैं मन ही मन सोच रहा था कि वह आएगा भी या नहीं। इधर स्टेशन मास्टर ने रेलगाड़ी को प्रस्थान करने हेतु हरी झंडी दिखा दी। शायद! अब मुझे आगे की यात्रा अकेली ही करनी पड़ेगी। ये विचार मन में लिए मैं जैसे ही रेलगाड़ी के डिब्बे की ओर बढ़ा मुझे सफ़ेद अचकन और काली पैंट पहने, हाथ में भारी भरकम सामान लिए दूर से भागते हुए मेरा दोस्त आशुतोष नज़र आया। मैंने रेलगाड़ी की रफ़्तार को ध्यान में रखते हुए आशुतोष को ज़ल्दी से किसी भी डिब्बे में चढ़ जाने का संकेत दिया। अब

रेलगाड़ी प्लेटफार्म से निकल चुकी थी, मगर मेरा हृदय न जाने क्यों इतना घबरा रहा था कि आशुतोष चढ़ा भी होगा या नहीं।

मैं अपनी सीट पर चुपचाप माथा पकड़े बैठा हुआ था। इतने में मुझे किसी की आवाज़ सुनाई दी 'सारा सामान भलि-भाँति रख लिया है न'! ये आवाज़ किसी और की नहीं आशुतोष की थी जो पीछे की डिब्बों को पार करते हुए अपने डिब्बे तक आ चुका था। आशुतोष ने मुझसे कहा-जल्दी से अपना सामान ठीक जगह से बाँध लो और खिड़की वाली जगह घेर लो। मुझे यह बात थोड़ी अज़ीब सी लगी। मैंने आशुतोष से पूछा- 'तुम ऐसा क्यों कह रहें हों? आशुतोष ने जवाब दिया, अरे! गाड़ी में खिड़की वाली सीट कौन

नहीं घेरना चाहेगा। दरअसल बात यह है कि अगले स्टेशन पर कुछ लोग चढ़ेंगे जो तुम्हारे सामान को और तुम्हें हटाकर गाड़ी के फ़र्श पर बैठने के लिए कहेंगे। आशुतोष की ये बात सुनकर मेरे मन में कई प्रश्न एक साथ उठ खड़े हुए। कौन लोग? और वो ये सब क्यों करना चाहेंगे? आशुतोष ने ज़वाब दिया मित्र, ये तुम्हारी पहली यात्रा है मगर मैं इस तरह की यात्राओं को पहले भी कर चुका हूँ। ये लोग और कोई नहीं बल्कि अंग्रेज़ हैं, जिन्हें ये लगता है कि हम लोग उनकी प्रजा हैं और वह राजा। वे हमपर हुक्म चला सकते हैं और हम उनकी दया और क्षमा के योग्य तब तक नहीं बनते जब तक हमारा हृदय दुखाकर वे लोग किसी संतोष को प्राप्त न कर लें।

आशुतोष की बात सुनकर मेरे मन में एक अंजान डर जन्म ले चुका था, कि पता नहीं वे अंग्रेज लोग हमारे साथ क्या व्यवहार करने वाले होंगें। अगला स्टेशन देखते ही देखते करीब आ रहा था। ख्यालों की उधेड़बुन होती रही और स्टेशन आ गया। अंग्रेज अफ़सरों की भीड़ रेलगाड़ी के डिब्बे में चढ़ गई। अचानक एक अंग्रेज़ अफ़सर हमारी ओर बढ़ा और सामने वाली सीट पर जैसे ही बैठना चाहा, कि दूसरे साथी अफ़सर ने उसे आवाज़ लगाई और वे सभी ट्रेन से उतरकर प्लेटफार्म पर जा खड़े हुए। आशुतोष मेरे चेहरे के हाव-भाव को भाँप चुका था। ''वे लोग उतर गए हैं, अब तुम घबराओ नही''। यह बात सुनकर कुछ देर के लिए मेरा हृदय संभल तो गया परन्तु पूरी यात्रा में मेरे अधीर मन ने अनेंकों सवालों के साथ-साथ एक ऐसे कुंठा को भी जन्म दिया जो अंग्रेजों के प्रति हमारी दासता थी। मैंने आशुतोष से कहा-हम कब तक इनके गुलाम बने रहेंगे? आख़िर ऐसा कब तक चलने वाला है कि हम अपने ही देश में पराधीन और ये लोग हमारे ही देश में स्वाधीन बनकर जीयेंगे। आशुतोष के पास भी मेरे सवालों का शायद कोई उत्तर नहीं था। हम दोनों पूरी यात्रा के पश्चात् अपने गंतव्य स्थान तक तो पहुँच गए लेकिन अपने उत्तर तक नहीं।

शब्दार्थ

मित्र	= दोस्त	प्रतीक्षा	= इंतजार
नदारद	= गायब	प्रस्थान	= चलने को कहना
क्षमा	= माफ़ी	दासता	= गुलामी

उच्चारण करें

स्वाधीन	पराधीन	गंतव्य	कुंठा	प्रजा
इंतजार	झंडी	रफ़्तार	संकेत	हृदय

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को उनके विस्मरणीय यात्रा के अनुभव बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) प्लेटफार्म पर किसकी प्रतीक्षा हो रही थी?

(ख) स्टेशन मास्टर ने रेलगाड़ी को प्रस्थान करने के लिए क्या दिखा दी?

(ग) मित्र ने आशुतोष को रेलगाड़ी में चढ़ने के लिए क्या दिया?

(घ) रेल यात्रा में प्रजा किसको कहा गया?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) अब मुझे आगे की यात्रा अकेले ही करनी पड़ेगी, ये बात किसके मन में आई?

....

(ख) प्लेटफार्म पर कौन, किसकी प्रतीक्षा कर रहा था?

....

(ग) अगले स्टेशन से रेलगाड़ी में कौन चढ़ने वाले थे?

....

(घ) 'वे राजा हैं और हम प्रजा' इस कथन का क्या तात्पर्य है?

....

3. मिलान कीजिए।

(क) प्लेटफार्म	(i) हरी
(ख) झंडी	(ii) घबराहट
(ग) हृदय	(iii) राजा
(घ) अंग्रेज	(iv) रेलगाड़ी

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) सीटी - ....

(ख) अचकन - ....

(ग) संकेत - ....

(घ) भीड़ - ....

5. किसने कहा, किससे कहा?

(क) वह आयेगा भी या नहीं।

किसने कहा - ....

किससे कहा - ....

(ख) खिड़की वाली जगह घेर लो।

किसने कहा - ....

किससे कहा - ....

(ग) ये तुम्हारी पहली यात्रा है।

किसने कहा - ....

किससे कहा - ....

(घ) वे राजा हैं और हम प्रजा।

किसने कहा - ....

किससे कहा - ....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

6. कहानी में यदि आशुतोष रेलगाड़ी में न चढ़ता तो अंग्रेज अफ़सरों व उनके मित्र के बीच क्या बात होती? अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हुए वाक्य लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. पढ़िए और सही अर्थ चुनिए।

(क) नदारत होना

- ☐ शामिल होना
- ☐ गायब होना
- ☐ हाज़िर होना
- ☐ दिखाई न देना

(ख) प्रस्थान

- ☐ आगे बढ़ना
- ☐ पीछे की और मुड़ना
- ☐ आगे चलना
- ☐ वहीं खड़े रहना

(ग) गंतव्य

- ☐ वह स्थान जहाँ जाना न हो
- ☐ वह स्थान जहाँ पहुँचना हो
- ☐ वह स्थान जहाँ से वापिस आना हो
- ☐ वह स्थान जहाँ कोई न जाता हो

8. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) जो प्रजा पर राज करें – ....

(ख) जो अधीन होकर रहे – ....

(ग) जो अधीन होकर न रहे – ....

(घ) वह स्थान जहाँ पहुँचना हो – ....

(ङ) जिसके बारे में जानकारी न हो – ....

9. रिक्त स्थान में कारक का उचित रूप (का, के, की, ने, पर) लगाकर वाक्य को पूरा कीजिए।

(क) अब मुझे आगे .... यात्रा अकेले ही करनी पड़ेगी।

(ख) प्लेटफार्म .... कुछ भी साफ़ सुनाई नहीं दे रहा था।

(ग) आशुतोष .... मुझसे कहा-जल्दी से अपना सामान बाँध लो।

(घ) शाम .... समय था मैं प्लेटफार्म पर खड़े अपने मित्र-प्रतिक्षा कर रहा था।

10. सही शब्द पर गोला ◯ लगाइए।

(क)	इंतज़ार	इंतजार	इतंजार	इंतंज़ार
(ख)	अकचन	अचनक	अचकन	अकचक
(ग)	खीड़कि	खिड़की	खिड़कि	खीड़की
(घ)	सकेत	संकैत	सकेंत	संकेत

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

11. स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े सेनानियों के चित्र पहचानते हुए उनसे संबंधित नारों, को बैनर पर लिखिए।

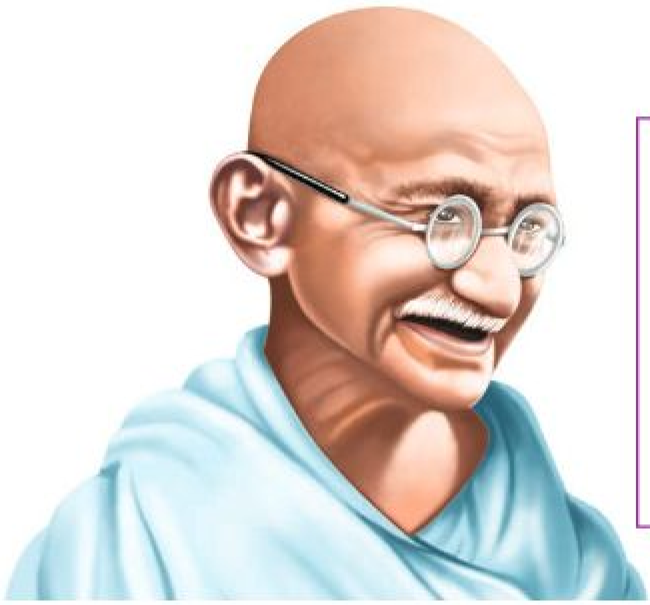

नारा

नारा

12. आपने पिछले कुछ दिनों में किस जगह की यात्रा की है? अपनें अनुभवों को अपने शब्दों में लिखिए।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

13. जिस तरह भारत देश का झंडा तिरंगा है उसी तरह प्रत्यंयेक देश का अपना झंडा होता हैं। नीचे दिए झंड़ो के चित्र को पहचानिए और संबधित देश का नाम लिखिए।

....

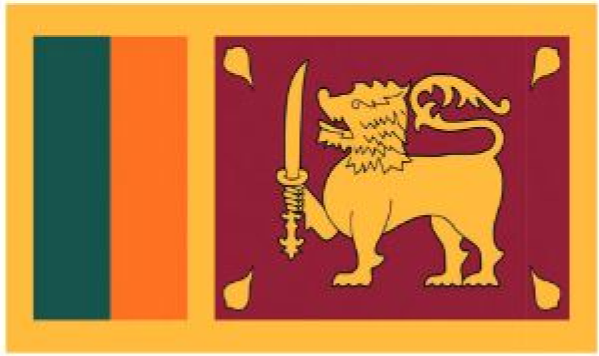

....

....

....

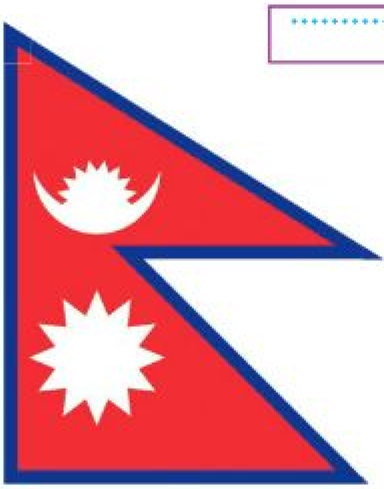

....

कदंब का पेड़
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

कक्षा में शिक्षक/शिक्षिका चर्चा द्वारा बच्चों से यह जानने का प्रयास करें, कि वह अपनी माँ के साथ खाली समय में किस तरह की अठखेलियाँ करते हैं?

कविता का मूल तत्व

बच्चे की प्रथम गुरू माँ ही होती है। कविता के माध्यम से माँ-बच्चे के अनोखे रिश्ते के बारे में बताया गया है।

यह कदंब का पेड़ अगर माँ, होता यमुना-तीरे
मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे।
ले देती यदि मुझे बाँसुरी तुम दो पैसेवाली,
किसी तरह नीचे हो जाती यह कदंब की डाली।

तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके-चुपके आता,
उस नीची डाली से अम्मा, ऊँचे पर चढ़ जाता।
वहीं बैठ फिर बड़े मज़े से मैं बाँसुरी बजाता,
अम्मा-अम्मा कह बंसी के स्वर में तुम्हें बुलाता।

सुन मेरी बंसी को माँ, तुम इतनी खुश हो जाती,
मुझे देखने काम छोड़कर, बाहर तक तुम आती।
तुमको आता देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता,
पत्तों में छिपकर धीरे-से फिर बाँसुरी बजाता।

गुस्सा होकर मुझे डाँटती, कहतीं – नीचे आजा,
पर जब मैं न उतरता, हँसकर कहतीं – मुन्ना राजा !
नीचे उतरो मेरे राजा ! तुम्हें मिठाई दूँगी,
नए खिलौने, माखन-मिसरी, दूध-मलाई दूँगी।

मैं हँसकर सबसे ऊपर की टहनी पर चढ़ जाता,
एक बार कह 'माँ' पत्तों में वहीं कहीं छिप जाता।
बहुत बुलाने पर भी माँ, जब मैं न उतरकर आता,
तब माँ हृदय तुम्हारा बहुत विकल हो जाता।

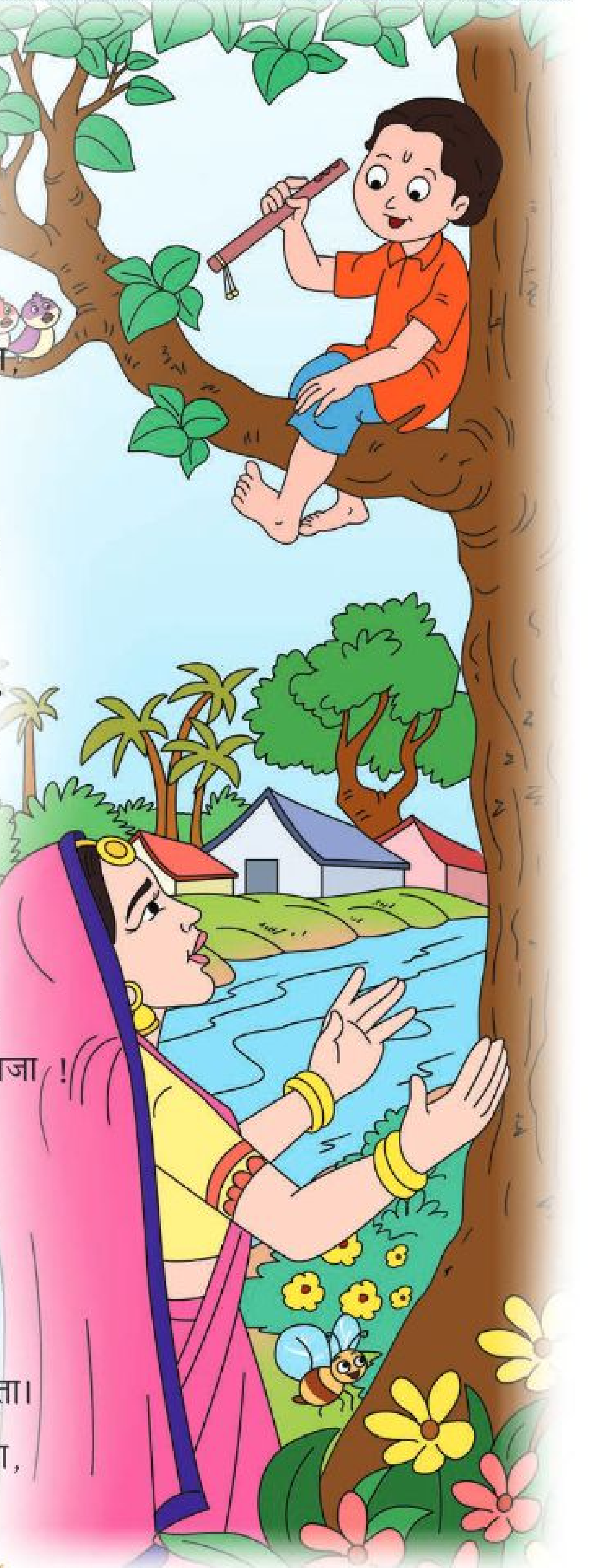

तुम आँचल पसारकर अम्मा, वहीं पेड़ के नीचे,
ईश्वर से कुछ विनती करतीं, बैठी आँखें मीचे ।
तुम्हे ध्यान में लगा देख मैं धीरे-धीरे आता,
और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता।

तुम घबराकर आँख खोलतीं, फिर खुश हो जाती,
जब अपने मुन्ना राजा को गोदी में ही पाती।
इसी तरह कुछ खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे,
माँ, कदंब का पेड़ अगर यह होता यमुना-तीरे।

– सुभद्राकुमारी चौहान

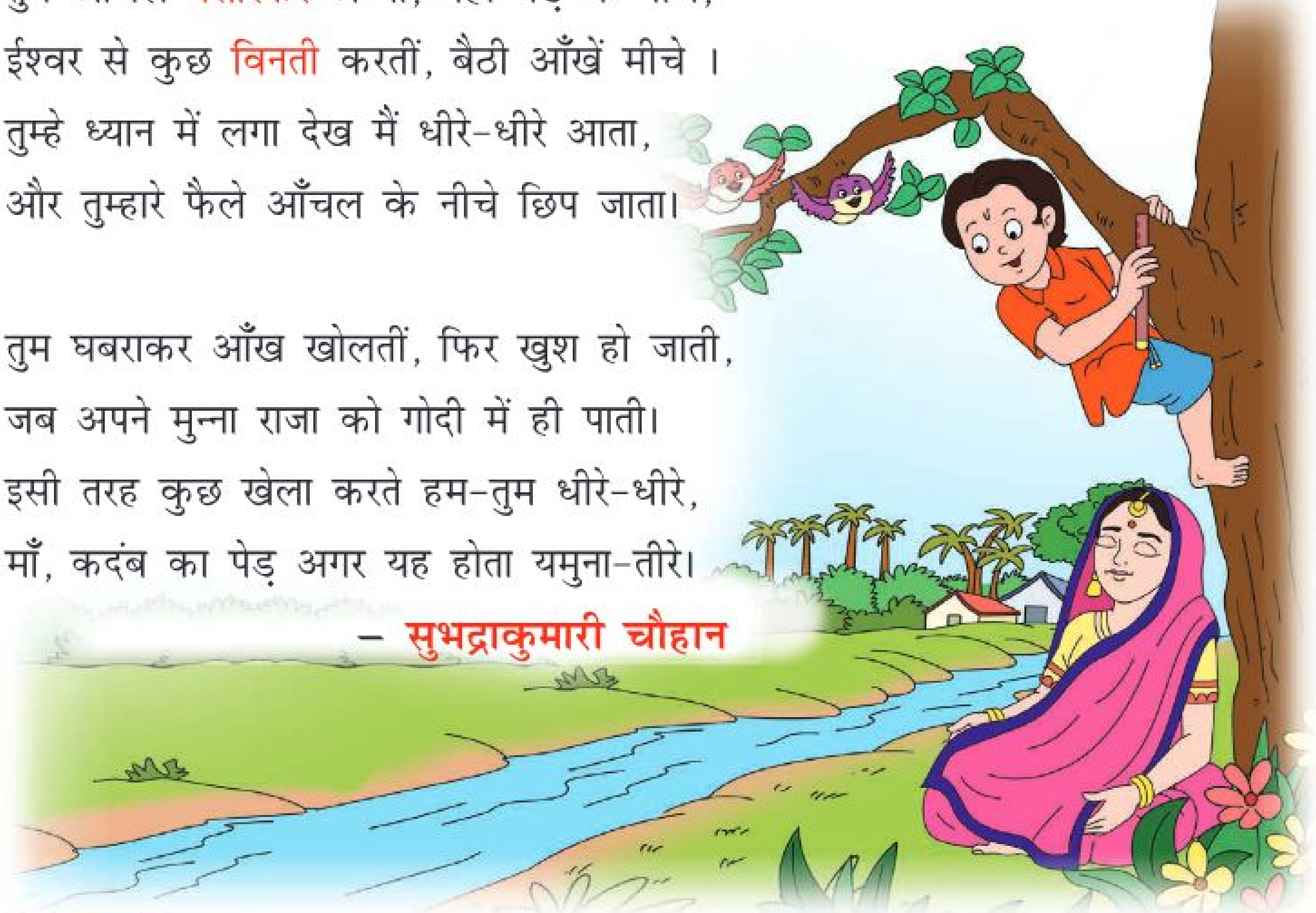

शब्दार्थ

तीरे - किनारा	टहनी - शाखा, डाली	पसारकर - फैलाकर
विकल - व्याकुल	विनती - प्रार्थना	

उच्चारण करें

आँचल	घबराकर	ध्यान	पत्तों
हँसकर	हृदय	कदंब	शहनाई

अध्यापन संकेत-

शिक्षक/शिक्षिका इस कविता की लेखिका 'सुभद्राकुमारी चौहान' का संक्षेप में बच्चों को परिचय दें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) कविता में बच्चा क्या बनने की बात कर रहा है?

(ख) कविता में माँ बच्चे को क्या-क्या देने की बात कर रही है?

(ग) कविता में किसका हृदय विकल हो जाता है?

(घ) कविता में किस नदी के किनारे की बात की जा रही है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) बच्चा किसे बुला रहा है और क्यों?

....

(ख) बच्चा क्या बनने की बात कर रहा है?

....

(ग) कविता का मुख्य भाव क्या हैं?

....

(घ) कविता का मुख्य भाव क्या है?

....

3. कविता की रिक्त पंक्तियों को भरिए।

(क) तुम आँचल ....,

.... आँखे मीचे।

(ख) वहीं बैठ फिर ....,

.... तुम्हे बुलाता।

(ग) तुम्हें ध्यान में ....

.... नीचे छिप जाता।

4. **दिए गए वाक्यों के उचित विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए।**

(क) प्रस्तुत कविता की रचयिता है–

- ☐ महादेवी वर्मा
- ☐ सुभद्राकुमारी चौहान
- ☐ अमृता प्रतिम
- ☐ रामचन्द्र शुक्ल

(ख) कविता में किस पेड़ के विषय में बात की गई है?

- ☐ आम का पेड़
- ☐ जामुन का पेड़
- ☐ कदम्ब का पेड़
- ☐ बरगद का पेड़

(ग) कविता में बच्चा क्या बनने की कल्पना करता है?

- ☐ कन्हैया
- ☐ राजा
- ☐ मुन्ना
- ☐ ताकतवर

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. **यदि आप इस कविता में बच्चे की जगह होते, तो आप अपने मन के किस भाव की कल्पना करते? सोचकर बताइए।**

6 **यदि आप घर में शरारत करते है, तो आपकी माँ और आपके बीच होने वाले संवाद को लिखिए।**

माँ – ....

बेटा/बेटी – ....

माँ – ....

बेटा/बेटी – ....

माँ – ....

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. प्रस्तुत कविता से लिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द बताइए।

(क) आवाज़ – ....

(ख) प्रार्थना – ....

(ग) व्याकुल – ....

(घ) बंसी – ....

8. मूल धातु से क्रिया शब्द लिखकर वाक्य रचना कीजिए।

(क) कह – ....

(ख) छिप – ....

(ग) हँस – ....

(घ) छिप – ....

9. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(क) हृदय बहुत विकल हो तब माँ तुम्हारा जाता।

....

(ख) घबराकर खोलती तुम खुश फिर आँख जाती हो।

....

10. सही मिलान कीजिए।

(क) नीचे (i) राजा

(ख) आता (ii) धीरे

(ग) आजा (iii) मीचे

(घ) वाली (iv) डाली

(ङ) तीरे (v) जाता

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

11. बाल जीवन में सभी किसी न किसी तरह का हठ करते हैं। आप अपनी माँ से किस प्रकार की हठ करते हैं? इस विषय पर लिखकर बताइए।

12. 'सभुद्राकुमारी चौहान' की जीवनी अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

(Life skills & Value based Question).

13. प्रस्तुत कविता 'कदंब का पेड़' में मातृत्व भाव को सर्वोपरि रखा गया है। आप अपने जीवन में मातृत्व भाव को कब अपनाएँगे?

....

....

....

....

....

अध्याय 5

''थॉमस एल्वा एडीसन''
(जीवन)

अध्ययन से पूर्व

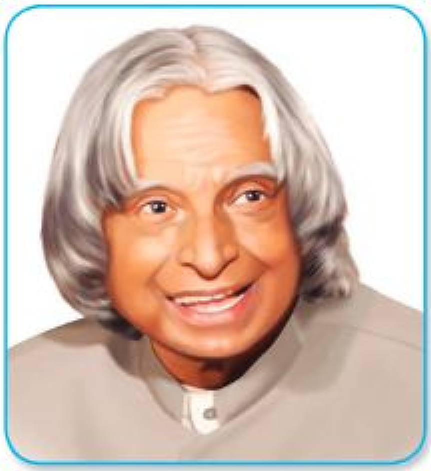

ए.पी.जे अब्दुल कलाम

सी. बी रमन

होमी जहांगीर भाभा

दिए गए चित्रों के बारे में जानकारी एकत्रित करें और बताएँ कि ये सभी किस क्षेत्र से संबंधित हैं।

....

....

....

....

....

जीवनी का मूल तत्व

प्रस्तुत पाठ में थॉमस एल्वा एडीसन के जीवन और उनके प्रयोगों के बारे में बताया गया है।

11 फरवरी 1847 को जन्में एक महान वैज्ञानिक 'थामस एल्वा एडीसन' बचपन से ही नटखट स्वभाव के थे। ओहयो राज्य के मिलान नगर के निवासी एडीसन कुछ न कुछ शरारतें करते रहते थे। पढ़ने में तो इनका कभी मन नहीं लगता था। जैसे-तैसे इन्हें इनकी माता ने थोड़ी बहुत शिक्षा दिलवा दी थी।

जो एडीसन एक विचारात्मक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। हर समय कुछ-न-कुछ सोचते ही रहते थे। एक दिन उन्होंने सोचा,"जैसे गुब्बारा गैस भरने से उड़ जाता है, यदि किसी मनुष्य के पेट में वैसे ही गैस भर दी जाए तो क्या वह न उड़ेगा?'' यह सोच कर उन्होनें अपने नौकर को एक ऐसी दवाई खिला दी, जिससे उसके पटे में गैस पैदा हो गई परंतु वह गैस डकारों के साथ ही नौकर के पेट से बाहर निकल गई।

एडीसन हमेशा वैज्ञानिक प्रयोग में लगे रहते थे, जिन पर कुछ प्रयोग करने की धुन सवार रहती थी। वह रेलगाड़ी में अखबार बेचते समय भी खाली डिब्बों में कुछ-कुछ प्रयोग करते रहते थे। एक दिन प्रयोग के दौरान फॉस्फोरस की शीशी टूट गई जिसने हवा के संपर्क में आते ही आग पकड़ ली और गाड़ी में आग लग गई। यह सब नज़ारा देखकर गाड़ी के गार्ड ने उनका सारा सामान बाहर फेंक दिया। तथा उनके कान पर इतने ज़ोर से चाँटा मारा कि वह बहरे हो गये।

बहरे हो जाने के कारण एडीसन को इधर-उधर की आवाज़ें सुनाई देनी बंद हो गईं। इससे उनका ध्यान अपने प्रयोगों में और अधिक लगने लगा। एक दिन एडीसन ने एक स्टेशन मास्टर के बच्चे को गाड़ी के नीचे कुचले जाने से बचा लिया।

स्टेशन मास्टर ने प्रसन्न होकर उसे तार-बाबू की नौकरी दिलवा दी। एडीसन ने कुछ दिन यह काम किया। परंतु अपने नटखट स्वभाव के कारण उन्होंने तार-बाबू की नौकरी भी छोड़ दी।

अंत में एडीसन न्यूयॉर्क पहुँचे। जब वह वहाँ पहुँचे तो उनके पास एक भी पैसा न था। अपने एक मित्र से कुछ पैसा लेकर उन्होंने एक-दो दिन वहाँ निर्वाह किया। वह रात का समय एक तार-घर के बरामदे में बिता देते थे। सहसा एक दिन तार-घर में कुछ त्रुटि

उत्पन्न हो गई। एडीसन ने वह त्रुटि दूर कर दी। मैनेजर ने प्रसन्न होकर उन्हें अपने यहाँ नौकर रख लिया।

काम को खत्म करने के बाद जो समय बचता, उसमें एडीसन कुछ न कुछ नए प्रयोगों के माध्यम से नई चीजों कों बनाने में लगे रहते थे। जिसके तहत उन्होंने 'यूनीवर्सल प्रिंटर' नामक यंत्र का अविष्कार किया। यंत्र को देखकर एडीसन का मालिक बहुत प्रसन्न हुआ। वह बोला, ''यह हमें बेच दो। बताओ इसकी क्या कीमत लोगे?'' एडीसन ने कहा, मैनेजर

साहब जो ठीक समझो दे दीजिए। वह बोला, " हमारे पास तो इस यंत्र के लिए सिर्फ चालीस हज़ार डॉलर हैं।"

जबकि एडीसन इसका मूल्य सिर्फ पाँच हजार डॉलर समझ रहे थे। लेकिन जब उन्होंने इतनी बड़ी राशि सुनी तो वह दंग रह गए। उनके चेहरे की भाव भंगिमा देखकर मैनेजर समझा कि उन्हें और राशि चाहिए। तो बोला, 'अधिक से अधिक हम पचास हजार डॉलर दे सकते हैं। उस राशि को लेकर एडीसन ने अपना कारखाना खोला। उन्होंने बेकार टूटे-फूटे समान से एक मशीन तैयार की। फिर अपने मित्रों से कहा, "देखो! यह मशीन बोलेगी।"

चाबी घुमाने पर मशीन से गाने की आवाज़ निकली। लोग सुनकर हैरान हो गए और कहने लगे,"यह कोई जादूगर है। यह मशीनों से बातें कराता है।" उनके विरुद्ध कुछ लोग शिकायत करने लगे। परंतु जब पता चला कि वे विज्ञान के ही कुछ खेल हैं, तो लोग उनके मित्र बन गए। यही यंत्र बाद में 'ग्रामोफोन' कहलाया।

एडीसन ने और भी बहुत से आविष्कार किए। तार, बिजली के लट्टू, रेडियो, सिनेमा इत्यादि सभी के सुधार में इनका हाथ है। लाउडस्पीकर का भी इन्होंने आविष्कार किया। अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा के कारण एडीसन "वैज्ञानिक जादूगर" कहलाते हैं।

शब्दार्थ

नटखट	- शरारती, चंचल	धुन	- लगन, लगाव, मौज
स्वभाव	- आदत, प्रवृत्ति, प्रकृति	प्रयोग	- उपयोग, आविष्कार, खोज
यंत्र	- मशीन	निर्वाह	- गुजारा
त्रुटि	- खराबी,गलती	आविष्कार	- खोज

उच्चारण करें

ओहायो थॉमस फॉस्फोरस वैज्ञानिक स्टेशनमास्टर

शिक्षण संकेत

विद्यार्थियों को थॉमस एल्वा एडीसन के जीवन सें जुड़ी संपूर्ण जानकारी देकर उनके द्वारा किए गए आविष्कारों के बारे में बताएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) एडीसन का संपूर्ण नाम बताइए।

(ख) प्रसिद्ध वैज्ञानिक एडीसन का बचपन में स्वभाव कैसा था?

(ग) एडीसन के द्वारा खोजे हुए आविष्कारों के नाम बताइए।

(घ) 'यूनिवर्सल प्रिंटर' नामक यंत्र को एडीसन ने कितने रूपयों में बेचा?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) एल्वा एडीसन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

....

(ख) एडीसन किस प्रवृत्ति के थे?

....

(ग) स्टेशन मास्टर ने एडीसन को तार-बाबू की नौकरी क्यों दिलवाई?

....

(घ) 'यूनीवर्सल प्रिंटर' नामक यंत्र की खोज एडीसन ने कैसे की?

....

(ङ) एडीसन को 'वैज्ञानिक जादूगर' क्यों कहा जाता है?

....

3. उचित शब्द का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

जादूगर वैज्ञानिक विचारात्मक वैज्ञानिक स्वभाव दंग

(क) एडीसन एक .... प्रवृत्ति के थे।

(ख) अपने नटखट .... के कारण एडीसन ने तार-बाबू की नौकरी छोड़ दी।

(ग) बड़ी राशि सुनकर एडीसन .... रह गए।

(घ) यह कोई .... हैं, जो मशीनों से बात कराता है।

(ङ) अपनी .... प्रतिभा के कारण एडीसन जादूगर कहलाते हें।

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. वर्तमान में हर व्यक्ति आरामदायक नौकरी चाहता है। यदि एडीसन की जगह आप होते तो क्या तार-बाबू की नौकरी छोड़ते? सोच-समझकर बताइए।

....

....

....

....

....

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. दिए गए शब्दों से संबंधित वाक्य निर्मित कीजिए।

(क) स्वभाव - ....

(ख) यंत्र - ....

(ग) निर्वाह - ....

6. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाली शब्द लिखिए।

अमृत – ....

अच्छा – ....

अदालत – ....

अनाथ – ....

अपराधी – ....

7. **दिए गए शब्दों से मूल शब्द तथा उपसर्ग को अलग कीजिए।**

उपसर्ग- ऐसे शब्दांश जो किसी शब्द के पूर्व में जुड़कर उसके अर्थ को प्रभावित करते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं। जैसे-अतिसुंदर-अति+सुंदर यहाँ 'अति' उपसर्ग होगा।

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द
प्रहार	....	....
अभिनव	....	....
विशुद्ध	....	....
उपकार	....	....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

8. **'वैज्ञानिक जादूगर' शब्द से आप से आप क्या समझते हैं? क्या वैज्ञानिक भी जादूगर हो सकते हें? अपने शब्दों में लिखिए।**

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

9. **थॉमस एल्वा एडीसन द्वारा अनेक अविष्कार हुए। उनके द्वारा किए गए आविष्कारों की खोज किस वर्ष पूर्ण हुई। सोचकर लिखिए।**

(क) बल्ब [ ] (ख) फोनोग्रॉफ [ ] (ग) किनैटोस्कोप [ ]

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

(Life skills & Value based Question).

10. **थॉमस एल्वा एडीसन की जीवनी से आपको क्या सीख मिलती हैं? आप उनके किस गुण को अपनाना चाहेंगे? अपने शब्दों में बताइए।**

अध्याय 6

बुद्ध और अंगुलिमाल
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

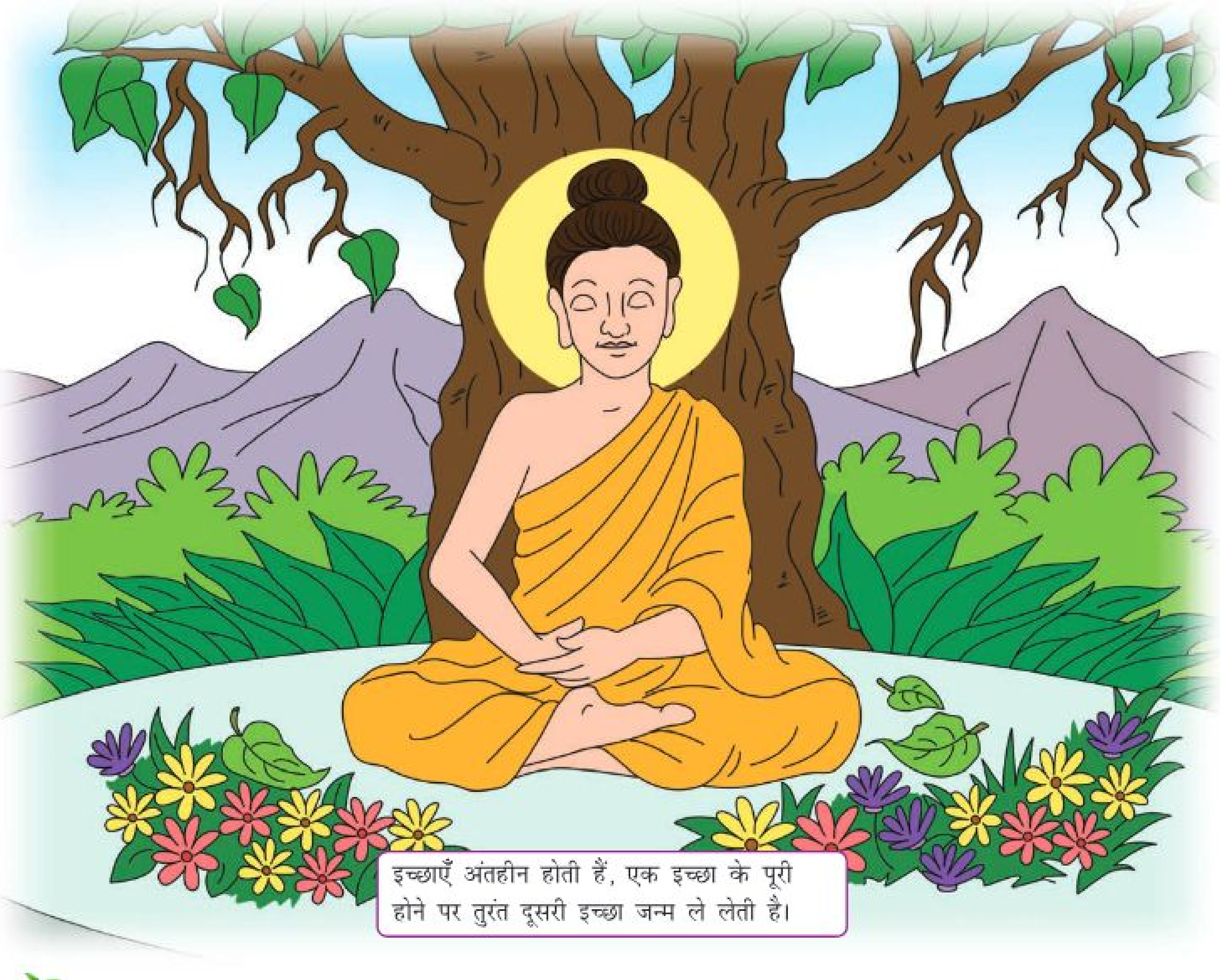

कविता का मूल तत्व

दयालुता ऐसा भाव है, जिससे दुष्ट, हत्यारे तथा पापी लुटेरे भी उच्चकोटि के महात्मा और भक्त बन जाते हैं। प्रस्तुत कहानी में डाकू अंगुलिमाल के हृदय परिवर्तन का वर्णन किया गया है।

एक बार महात्मा बुद्ध अपनी सैर के दौरान विचरण करते हुए एक नगर में पहुँचे। उस नगर के महाराज प्रसेनजीत बड़े ही यशस्वी और महात्मा बुद्ध के अनुयायी थे। बुद्ध के आगमन की खबर सुनते ही महाराज ने उनका बहुत आदर और सत्कार किया। किंतु महाराज के चेहरे पर उदासीनता का भाव देखकर बुद्ध ने कारण पूछा तो महाराज ने जवाब दिया कि राज्य में एक भयंकर डाकू ने आतंक मचा रखा है। अंगुलिमाल नाम का यह डाकू लोगों को लूटने के साथ-साथ निर्दयतापूर्वक उनकी हत्या भी कर देता है। राजा ने बताया कि क्रूर अंगुलिमाल का नाम कुछ और ही था पर उसने प्रतिज्ञा की थी कि वह एक हज़ार लोगों की हत्या करेगा।

मारे गए लोगों की ठीक संख्या याद रखने के लिए उसने एक तरकीब निकाली। वह जिस किसी व्यक्ति की हत्या करता था, उसकी एक अंगुली काटकर अपनी माला में जोड़ लेता था।

इसलिए लोग इस भयानक डाकू को अंगुलिमाल के नाम से जानने लगे। उस डाकू का भय इतना था, कि डाकू के भय के कारण सारी प्रजा थर-थर काँपने लगी है।

उन्हें हमेशा यह डर रहता है कि न जाने कब किसकी बारी आ जाए। राजा की यह बात सुनकर महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल से मिलने का निश्चय किया।

महात्मा बुदध ने राजा को ढाँढ़स बँधाया और वे उस घने वन की ओर चल दिए, जिसमें अंगुलिमाल रहता था। महात्मा बुद्ध को सभी ने वन में जाने से मना किया, पर उन्होंने हँसकर सबकी बात टाल दी।

वन घना होता जा रहा था और महात्मा बुद्ध झाड़ियों के पास से निर्भय होकर बढ़ते जा रहे थे। सहसा किसी ने कर्कश आवाज़ में कहा, "ठहर जा, कहाँ जा रहा है?" महात्मा बुद्ध ऐसे चलते रहे, मानों कुछ सुना ही

नहीं। फिर जोर से आवाज़ आई, "ठहर जा!" महात्मा बुद्‌ध रुक गए। उन्होंने पीछे पलटकर देखा, एक भयंकर डाकू खड़ा था। ऊँचा, लंबा और गठीला शरीर, लंबे-लंबे नाखून, काला रंग, तना हुआ चेहरा और क्रोध से जलती हुई लाल-लाल आँखें। उसके हाथ में तेज़ कृपाण थी और गले में अंगुलियों की माला पड़ी हुई थी। वह बहुत ही डरावना लग रहा था।

महात्मा बुद्‌ध उस व्यक्ति को देखकर ही पहचान गए कि यह डाकू अंगुलिमाल है। महात्मा बुद्‌ध ने अपनी शांत दृष्टि और मधुर मुस्कान अपने चहरे पर रखी और बिना परवाह किए उसकी ओर बढ़ने लगे।

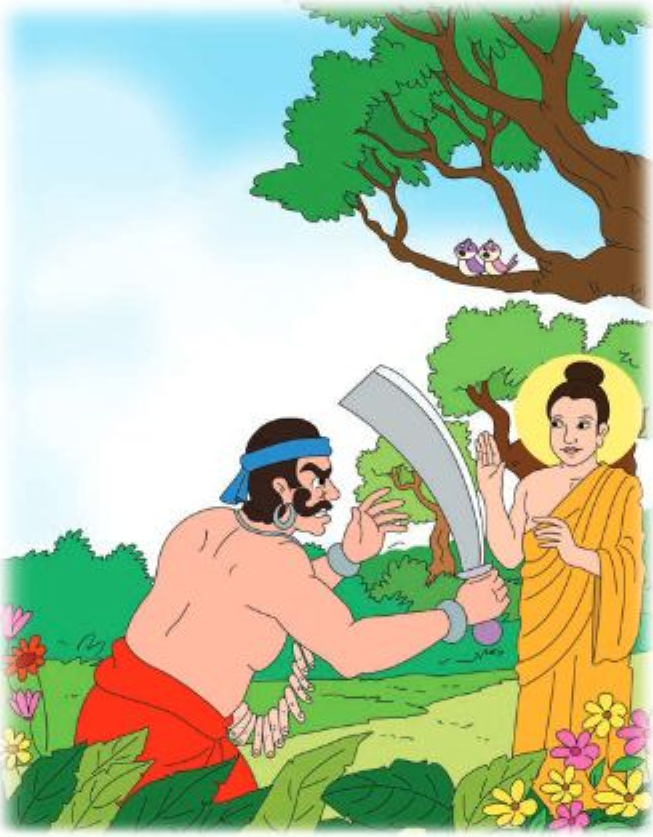

अंगुलिमाल गरजा, "मैं कहता हूँ, ठहर जा!"

महात्मा बुद्‌ध ने अत्यंत मधुर वाणी में कहा, "मैं तो ठहर गया, पर तू कब ठहरेगा?''

अंगुलिमाल चकित रह गया। आज तक उसने ऐसा कोई व्यक्ति नहीं देखा था जो उसके सामने खड़ा होकर शांत भाव से मुस्कुराने का साहस कर सके। अंगुलिमान ने कहा, ''हे सन्यासी! मुझे देखकर आपको डर का आभास नहीं हो रहा है? देखो! मैंने जितने लोगों को मारा है, उन सभी की अंगुलियों की माला बनाकर गले में धारण कर रखी है। तभी महात्मा बुद्‌ध बोले-''तुमसे क्या डरना? जो लोगों की हत्या करता है, हमें उससे डरना चाहिए जो सचमुच ताकतवर है।'' यह सुनकर अंगुलिमाल दंग रह गया।

उस पर महात्मा बुद्‌ध के शब्दों का जादू-जैसा प्रभाव पड़ा। एक बार उसे ऐसा लगा जैसे किसी अनजानी शक्ति ने उसका हृदय बदल दिया हो। उसे आत्मग्लानि होने लगी। वह उनके सामने घुटने टेककर झुक गया और बोला,"भगवन, मैं आपकी बात नहीं समझा।"

महात्मा बुद्‌ध बोले, "अंगुलिमाल, जीवन स्वयं ही दु:खों से भरा है, तुम अपने कर्मों से उन दु:खों को और बढ़ा रहे हो। मैं तो बुद्‌ध होकर जीवन के इन दु:खों से छूट गया,

पर तुम इस पापपूर्ण जीवन से कब छूटोगे?'' अंगुलिमाल महात्मा बुद्ध की बातों को ध्यान से सुनता रहा। वह महात्मा बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा और बोला, ''हे महात्मन्, मुझ पापी का भी उद्धार कर दीजिए। अज्ञानवश मैं भटक गया था। मुझे प्रकाश दिखाइए।'' महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल को प्रेम और करूणा का उपदेश दिया और अपना शिष्य बना लिया। आगे चलकर यही क्रूर डाकू देखते ही देखते ही देखते संत बन गया।

दयालुता एक ऐसा भाव है, जिससे कभी-कभी बड़े हृदयहीन, दुष्ट, भयंकर डाकू, हत्यारे और पापी लुटेरे भी बदलकर उदार, सच्चे और पवित्र हृदय के मनुष्य ही नहीं उच्चकोटि के महात्मा और भक्त बन जाते हैं।

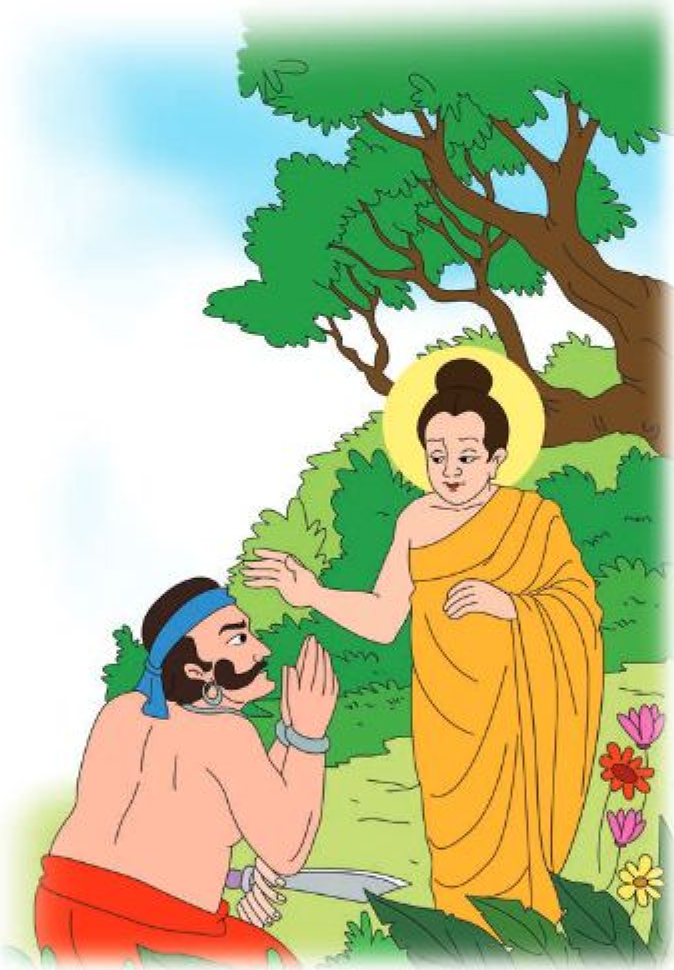

शब्दार्थ

विचरण = घूमते हुए, फिरना,चलना, चहलकदमी।
आतंक = भय, दहशत, उपद्रव
थर-थर काँपना = भयभीत होना
अज्ञानवश = जानकारी के अभाव में।

उच्चारण करें

बुद्ध कर्कश गरजा सन्यासी हे महात्मन

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ अध्ययन के दौरान महात्मा बुद्ध और उनके बारे में प्रचलित लोककथाएँ तथा उनसे संबंधित विभिन्न युक्तियों के बारे में बताएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) महात्मा बुद्ध विचरण करते हुए कहाँ पहुँचे?

(ख) महाराज ने महात्मा को किस भयानक डाकू के बारे में बताया?

(ग) बुद्ध को जंगल में जाने से किसने रोका?

(घ) डाकू किसकी माला बनाता था?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) महाराज ने महात्मा को चिंता का क्या कारण बताया?

....

(ख) बुद्ध को लोगों ने वन में जाने से क्यों मना किया?

....

(ग) डाकू अंगुलिमाल की चारित्रिक विशेषताओं को वर्णित कीजिए।

....

(घ) अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ?

....

(ङ) अंगुलिमाल पर बुद्ध के विचारों का क्या प्रभाव पड़ा?

....

2. उचित शब्द का चयन कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

अज्ञानवश, पापपूर्ण, आभास, अंगुलिमान, अनुयायी

(क) महाराज बड़े ही यशस्वी और महात्मा बुद्ध के .... थे।

(ख) राजा की बातों को सुनकर महात्मा ने .... से मिलने का निश्चय किया।

(ग) हे सन्यासी! मुझे देखकर आपको डर का .... नहीं हो रहा है?

(घ) मैं तो बुद्ध होकर जीवन के इन दुःखों से छूट गया पर तुम इस .... जीवन से कब छूटोगे।

(ङ) हे महात्मन्! मुझ पापी का भी उद्धार कर दीजिए .... मैं भटक गया हूँ। मुझे प्रकाश दिखाइए।

3. दिए गए वाक्यों में सही कथन पर (✓) का तथा गलत कथन पर (×) चिनह लगाइए।

(क) महाराज, अंगुलिमाल के नाम से बुद्ध को भयभीत करना चाहते थे? ☐

(ख) अंगुलिमाल को उचित रास्ता दिखाने के लिए महात्मा बुद्ध वन में गए। ☐

(ग) बुद्ध के चेहरे पर मुस्कान का भाव देखकर अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तित हो गया। ☐

(घ) साधु-संतों की संगति की वजह से बड़े-बड़े निर्दयी व्यक्ति का हृदय भी परिवर्तित हो जाता है ☐

(ङ) बुद्ध ने अंगुलिमाल को प्रेम और करूणा का उपदेश दिया और अपना शिष्य बना लिया। ☐

4. दिए गए संकेतों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
किसने कहा, किससे कहा?

(क) राज्य में एक भयंकर डाकू ने आंतक मचा रखा है।

....

(ख) "ठहर जा, कहाँ जा रहा है?"

....

(ग) "मैं तो ठहर गया, पर तू कब ठहरेगा?"

....

(घ) "भगवन! मैं आपकी बात नहीं समझा।"

....

(ङ) "हे महात्मन्! मुझ पापी का भी उद्धार कर दीजिए। अज्ञानवश में भटक गया था। मुझे प्रकाश दिखाइए।"

....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. महात्मा बनने से पहले बुद्ध का जीवन कैसा था? उनके जीवन की वह कौन सी घटना थी, जिससे प्रभावित होकर वह महात्मा बुद्ध कहलाने लगे। कक्षा में चर्चा करते हुए लिखिए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. दिए गए शब्दों में प्रत्यय को अलग करके लिखिए।

प्रत्ययः- ऐसे शब्दांश जो मूल शब्द के अंत में जुड़कर शब्द के अर्थ को पूरी तरह परिवर्तित कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसेः- होनहार-होन+हार =यहाँ 'हार' प्रत्यय हैं।

(क) निर्दयतापूर्वक - .... (ख) आंतकी - ....

(ग) क्रूरता - .... (घ) क्रंदन - ....

(ङ) भाग्यवान - .... (च) नदियाँ - ....

7. दिए गए शब्दों के वचन परिवर्तित कीजिए।

(क) पत्रिका - .... (ख) पाठक - ....

(ग) चुहिया - .... (घ) रुपया - ....

(ङ) साधु - ....

8. दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्दों को चिह्नित करके लिखिए।

(क) कक्षा में बीस विद्यार्थी उपस्थित हैं। ....

(ख) राहुल ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। ....

(ग) तूफान में बहुत सारे घर तबाह हो गए। ....

(घ) जाओ! जाकर एक किलो शक्कर ले आओ। ....

(ङ) मुझे थोड़ा सा पानी दे दो। ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. महात्मा बुद्ध के किन गुणों से प्रभावित होकर डाकू अंगुलिमाल ने हिंसा के मार्ग को त्याग दिया था? कक्षा में चर्चा करते हुए महात्मा बुद्ध के गुणें को लिखिए।

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. आप महात्मा बुद्ध के बारे में क्या जानते हैं? उनकी शिक्षाओं का संग्रह कीजिए तथा उनके प्रमुख उपदेशों को लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

12. यह कहानी हमें समान भाव एवं स्थिरता का संदेश देती है, तो ज़रा बताइए कि आपको इस कहानी से क्या सीख मिली?

वीर तुम बढ़े चलो
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

कविता का मूल तत्व

हमें सदैव पक्के इरादों के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। भले कैसी भी परिस्थिति क्यों न हो मुश्किलों का सामना मुस्कुरा के करना चाहिए।

वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।।

हाथ में ध्वजा रहे,
बाल-दल सजा रहे,
ध्वज कभी झुके नही,
दल कभी रूके नही।
वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।।

सामने पहाड़ हो,
सिंह की दहाड़ हों,
तुम निडर हटो नही,
तुम निडर डरो नहीं।
वीर तुम बढ़े चलो।
धीर तुम बढ़े चलो।

मेघ गरजते रहें,
मेघ बरसते रहें,
बिजलियाँ कड़क उठें,
बिजलियाँ तड़क उठें,
वीर तुम बढ़े चलो
धीर तुम बढे चलो

प्रात हो कि रात हो
संग हो न साथ हो
सूर्य से बढ़े चलो
चंद्र से बढ़े चलो।
वीर तुम बढ़े चलो
धीर तुम बढ़े चलो।।
(द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी)

शब्दार्थ

धीर = धैर्यवान
डटो = पीछे न हटना
निडर = जो किसी से न डरे
प्रात = सुबह, भोर

उच्चारण करें

ध्वजा प्रात गरजते दहाड़ बिजलियाँ कड़क

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों में समानता का भाव उत्पन्न करते हुए निडरता के विषय में चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।**

(क) हमें अपने लक्ष्य कैसे रखने चाहिए?

(ख) हमें मंजिलें कैसे पथ पर चलने से मिलती हैं?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) कविता के आधार पर निडर होकर कौन लक्ष्य प्राप्त करता है?

....

(ख) लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमें कैसा बनना चाहिए?

....

(ग) बाधाएँ आने पर हमें क्या करना चाहिए?

....

(घ) वीरों को किस प्रकार आगे बढ़ना चाहिए?

....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

3. **यदि हमें अपना लक्ष्य पता नहीं होगा तो हमारे जीवन की मंजिल दूर होगी या पास?**

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

4. **दिए गए रिक्त स्थानों को भरिए।**

चलो-चलो	पर्वत	मुड़ना	संभव

(क) छू लोगे एक दिन .... शिखर को भी।

(ख) .... है इसमें बाधाएँ भी आये।

(ग) गलत राह पर न .... तुम।

(घ) लक्ष्य पर हमेशा .... ।

5. पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए।

(क) तकदीर	मार्ग
(ख) लक्ष्य	लोभ
(ग) लालच	किस्मत
(घ) पथ	उद्देश्य

6. सही शब्द भरकर वाक्य पूरा कीजिए।

(क) कोई गरीब है तो .... अमीर। (कुछ/कोई)

(ख) लक्ष्य हमेशा .... रखो। (छोटे/बड़े)

(ग) .... मंज़िल तुमको मिल जाएगी। (कुछ/हर)

(घ) बाधाओं से .... चलो। (मुड़ते/लड़ते)

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

7. जीवन में हर व्यक्ति का कोई न कोई लक्ष्य अवश्य होता है। आपका लक्ष्य क्या है? लिखिए।

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

8. इन वीरों को इनके लक्ष्य तक पहुचाएँ।

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

9. दिए गए वीरों में रंग भरिए।

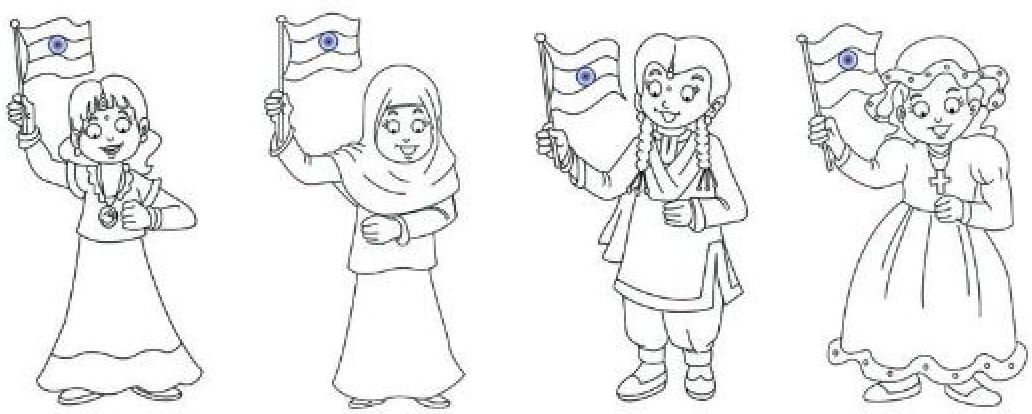

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

10. क्या आपने अपने जीवन में किसी लक्ष्य की प्राप्ति की है, जिसके प्रभाव से अन्य लोगों को सकारात्मकता पथ पर चलने की प्रेरणा मिली हो? यदि हाँ, तो बताइए।

नजरबट्टू
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

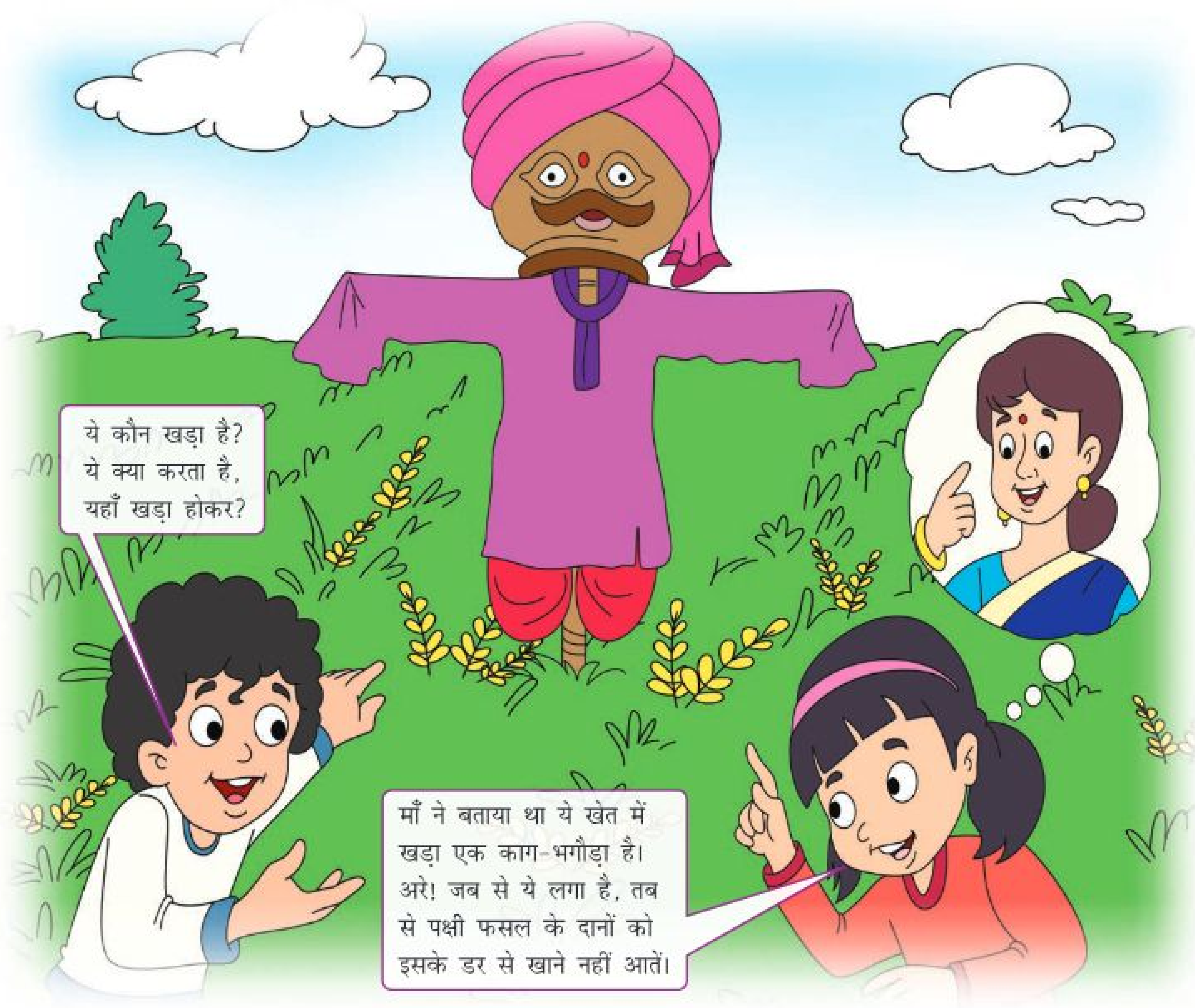

कहानी का मूल तत्व

मधुर वाणी द्वारा हम किसी को भी अपना बना सकते है।

अरे! चलो, शाम हो रही है... सभी पक्षियों को इकठ्ठा करते हुए कौआ सरदार और झुंड उड़ चला पास के खेतों की ओर... फसल कटने का समय जो हो गया था... सारे खेत में फसल पक चली है और खेत लहरा रहे हैं। कौओं का एक दल रोज़ की तरह रामू चाचा के खेत की तरफ चल पड़ा। रामू चाचा के खेत मानो सोना उगल रहे थे, और रखवाली करने वाले चाचा भी अब बूढ़े हो चले थे। कौओं को खूब मौका मिलता था, पेट भरकर अनाज चुगने का। मगर आज जैसे ही वे खेत के पास पहुँचे, अरे! ये क्या? यहाँ तो कोई खेत में खड़ा है। ''कहीं रामू चाचा ने कोई रखवाला तो नहीं रख लिया है?''

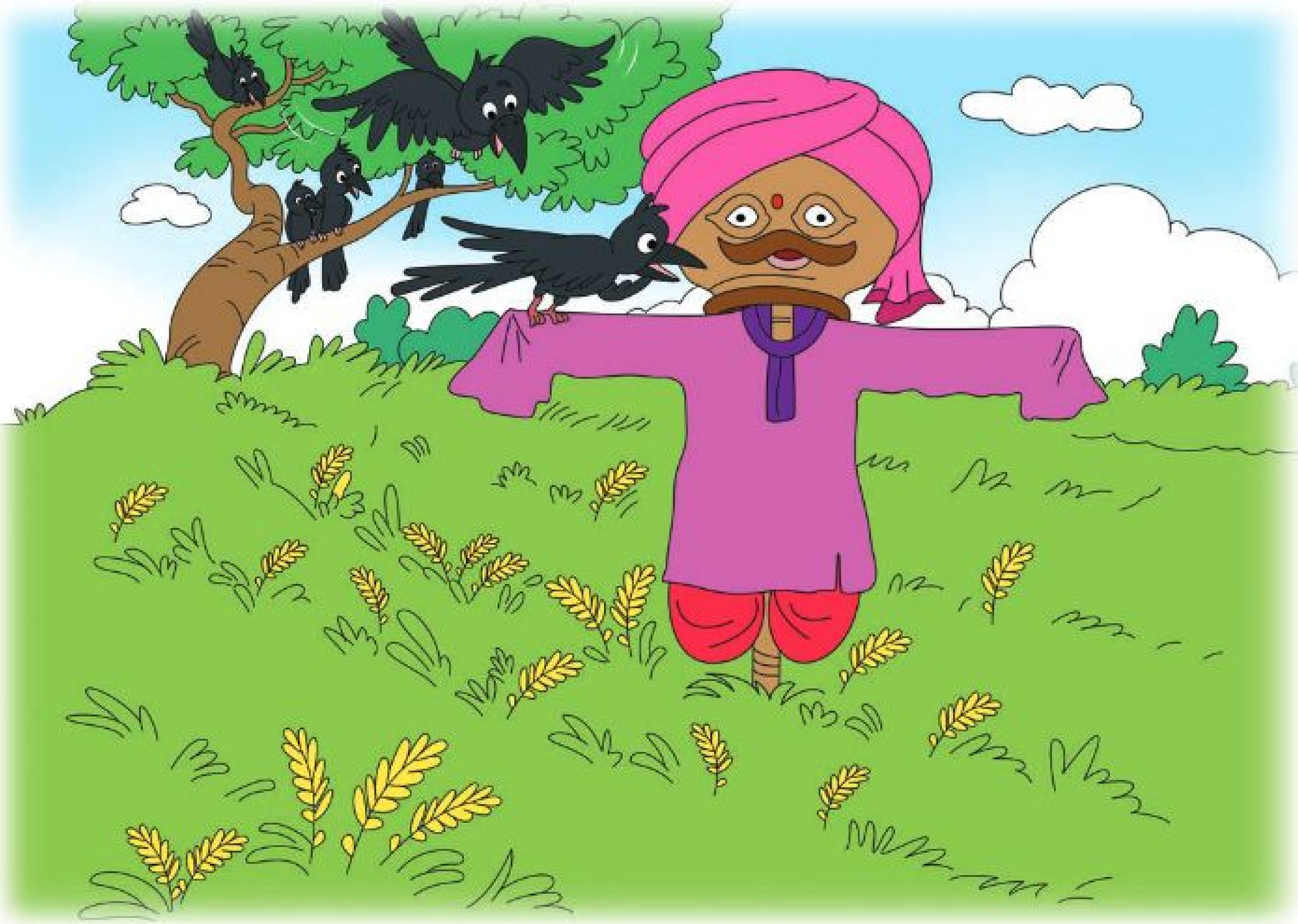

कौए सोच में पड़ गए। कौओं का सरदार बोला, "तुम सब यहीं रुको, मैं देखकर आता हूँ।" सारे कौए वहीं पास के पेड़ की टहनियों पर बैठ सुस्ताने लगे और सरदार कौआ धीरे से उस रखवाले के पास गया। रखवाले ने छींट वाली धोती और सफेद कुर्ता पहना था, लाल रंग की पगड़ी लगाई थी और चेहरे पर थी बड़ी-बड़ी मूँछें... दोनों हाथ फैलाए वह शान से खेत में खड़ा था। सरदार कौआ डरते-डरते उसके सामने गया और धीमें से बोला, "नमस्ते! क्या आप खेत के रखवाले हैं?"

रखवाले ने घूरकर उसे देखा और बोला, "मैं हूँ नजरबट्टू, इस खेत का नया रखवाला... लोग मुझे काग-भगोड़ा भी कहते हैं। मेरे रहते तुम खेत को नुकसान नहीं पहुँचा सकते।"

''नहीं, नहीं भैया। हम खेत को नुकसान पहुँचाने नही बल्कि ठंडी हवा लेने आते है। अगर हमें नीचे गिरे दाने दिखे तो खा लेते हैं।''

इससे आपको तो कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। कौए सरदार के इतना कहते ही नजरबट्टू ने उसे घूरकर देखा। कौआ सरदार उड़कर नजरबट्टू के कंधे पर जा बैठा और धीमे से अपने पंख उसके कान में छुआ दिए। नजरबट्टू को गुदगुदी होने लगी और वह मुस्कुरा दिया। कौए सरदार ने पूछा- ''तो हम खा लें थोड़े से दाने?''

नजरबट्टू के हाँ कहते ही कौए सरदार ने लम्बी सीटी मारी और देखते ही देखते अपने साथियों को दाने खिलवाने और बाते करने का काम एक साथ करने लगा। जल्दी ही दोनों दोस्त बन गए। अचानक कौए सरदार का ध्यान नजरबट्टू के पैरों की तरफ गया। और वह बोला ''नजरबट्टू भैया सारा दिन एक ही स्थान पर खड़े आप थक नही जाते? क्या घूमते-फिरतें नही हो?''

''नहीं सरदार, मैंने चलना सीखा ही नही।''

''अरे! कोशिश तो करो, आप तो उड़ना भी सीख सकते हैं।'' कौआ सरदार उत्साह से बोला... बस पंखों की जगह हाथ फैलाइए, एक पाँव बढ़ाइए, शरीर को ऊपर खींचें और उठ जाइए धरती से ऊपर... तभी नजरबट्टू को किसी की आवाज़ सुनाई दी। वह आवाज़ कौओं के झुंड की थी जो अपने सरदार को वापिस आने का इशारा दे रहे थे। "मैं आपको कल उड़ना सिखाऊँगा, फिर जल्दी ही आप उड़कर सारी दुनिया देख सकेंगे।" कहकर कौआ सरदार तो

उड़ गया मगर बजरबट्टू को सोचने के लिए विवश कर गया।

"क्या मैं भी उड़ पाऊँगा ? दूर-दूर तक, सारी दुनिया को देख पाऊँगा ?" उसने धीरे से एक पाँव आगे बढ़ाया, शरीर को खींचा, हाथ फैलाए और ये क्या...वह तो सचमुच उड़ रहा था, खेतों के ऊपर, जंगल, नदी, पहाड़ पार करता...नए-नए लोग मिले, नए-नए जानवर दिखे। बच्चे उसे उड़ते देख खुश हो रहे थे। किसी ने उसकी मूँछों की तारीफ की, किसी ने पगड़ी की। उड़ते-उड़ते वह थक गया, तो सुस्ताने के लिए एक बगीचे में उतरा। वहाँ के रखवाले ने उसे खाने के लिए फल दिए। रखवाले को देखकर अचानक नजरबट्टू को रामू चाचा याद आ गए। उसने सोचा, "उसे खेत में न पाकर बेचारे कितने परेशान होंगे, बुढ़ापे में कैसे खेत की रखवाली करेंगे। मुझे वापस जाना होगा.." नजरबट्टू उठ खड़ा हुआ और एक पाँव बढ़ाकर, हाथ फैलाकर उड़ने की कोशिश में वह 'धड़ाम' से गिर पड़ा। "मुझे वापस जाना है!" बुदबुदाते हुए उसने आँखें खोली। "धत तेरे की, शुक्र है कि यह स्वप्न ही था, सच नहीं।" नजरबट्टू अपनी मूँछों पर ताव देता हुआ मुस्कुराया। अब उसे कौए सरदार के आने का बेसब्री से इंतज़ार था ताकि वह उसे अपने सपने के बारे में बता सके।

शब्दार्थ

झुंड = समूह

टहनियों = शाखाओं

परेशानी = दिक्कत

इशारा = संकेत

विवश = मज़बूर

सुस्ताने = आराम

कोशिश = प्रयास

उच्चारण करें

कुर्ता मूँछें नजरबट्टू बढ़ाइए बुदबुदाते

अध्यापन संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में काग-भगौडों के विषय पर चर्चा करें कि उन्होंने क्या कभी अपने खेतों में काग-भगौडो का उपयोग किया है?

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) कौओं का झुंड इकट्ठा होकर कहाँ गया था?

(ख) खेत में क्या लहरा रही थी?

(ग) कौओं को खेत में कौन खड़ा दिखाई दिया।

(घ) नजरबट्टू स्वप्न में कहाँ पहुँच गया था?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) कौओं का झुंड कहाँ और क्यों जा रहा था?

....

(ख) कौए सरदार ने खेत में जिसे देखा, वह कौन था? उसे वहाँ क्यों रखा गया था?

....

(ग) कौए सरदार ने नजरबट्टू को उड़ना कैसे सिखाया?

....

(घ) नजरबट्टू ने स्वप्न में खुद को कहाँ-कहाँ घूमते देखा?

....

(ङ) नजरबट्टू वापस खेत क्यों लौटना चाहता था?

....

3. नीचे दिए वाक्यों को पढ़कर बताइए।

किसने कहा, किससे कहा?

(क) चलो, शाम हो रही है।

....

(ख) ''तुम सब यही रूको, मैं देखकर आता हूँ।''

....

(ग) ''तो हम खा लें थोड़े से दाने?''

....

(घ) धत् तेरे की, यह तो स्वप्न था।

....

ज़रा सोचिए
Critical Thinking

4. प्रस्तुत कहानी से मिलती-जुलती एक अन्य कहानी सोचिए और यह बताइए कि उस कहानी से क्या निष्कर्ष निकलता है?

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए
Language Skills

5. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।

(क) धोती - .... (घ) मूँछ - ....

(ख) पगड़ी - .... (ङ) कौआ - ....

(ग) कुर्ता - .... (च) माता - ....

6. दिए गए शब्दों में 'ई' जोड़ते हुए नए शब्द बनाइए।

(क) पगड़ + ई = ... (घ) गुदगुदा + ई = ...

(ख) परेशान + ई = ... (ङ) सीट + ई = ...

(ग) रखवाल + ई = ... (च) मार + ई = ...

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए
Creative Skills

7. पक्षियों को खेतों से दूर रखने के लिए नजरबट्टू के अलावा क्या किसान कोई और तरीका भी निकाल सकते हैं? सोचकर लिखिए।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

8. नजरबट्टू बनाने के लिए हमें जिन वस्तुओं की आवश्यकता पड़ेगी, उन पर ○ लगाइए।

सूखी घास	कपड़े	मटका	रस्सी	पक्षी
दाने	पानी	मुकुट	कीले	नल

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

9. नजरबट्टू का चित्र बनाकर रंग भरिए एवं उसे एक नया नाम भी दें।

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

10. मृदभाषा होने के अलावा और क्या तरीके हो सकते हैं जिसके द्वारा हम दूसरों के हृदय में अपनी पहली छवि बना पाएँगे? कक्षा में चर्चा करते हुए लिखिए।

अध्याय 9

शिष्टाचार
(निबंध)

अध्ययन से पूर्व

शिष्ट कार्यों की पहचान कर चित्रों पर (✓) और (✗) का निशान लगाइए।

☐
☐
☐

☐
☐
☐

☐
☐
☐

☐
☐
☐

निबंध का मूल तत्व

शिष्टाचार जीवन का दर्पण है। इसी के माध्यम से मनुष्य की समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में सभ्य नागरिकों के रूप में व्यवहार करना शिष्टाचार है। जीवन में शिष्ट व्यवहार का महत्व बताया गया है।

मेरे पड़ोस में दो बच्चे रहते थे, नाम था, सोनू और रमन। सोनू कभी-कभी मुझसे मिलने पार्क में आया करता था। पहले हाथ जोड़कर नमस्ते करता, फिर दादाजी पुकारकर पास आकर बातें करता था। लेकिन रमन दूर से ही आवाज़ करता हुआ आता और बिना अभिवादन किए निकल जाता था। आसपास के सभी लोग सोनू की तारीफ करते थे परंतु रमन का व्यवहार सबको अनुचित लगता था। वह पढ़ने-लिखने में और स्वास्थ्य की दृष्टि से सोनू की अपेक्षा बेहतर था लेकिन शिष्ट व्यवहार में सदैव पीछे रहता था।

समाज में सभ्य बने रहने के लिए शिष्टाचार के नियम अवश्य जान लेने चाहिए। इन्हें अपने जीवन में भी सम्मिलित करना चाहिए। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अलग-अलग समाज में शिष्टाचार के नियम अलग-अलग हैं।

विनम्रता

शिष्टाचार का सबसे बड़ा गुण है, विनम्रता। हमारी वाणी में और हमारे व्यवहार में विनम्रता घुली होनी चाहिए। किसी बड़े व्यक्ति के लिए 'आप' 'आपका' शब्दों का प्रयोग करना चाहिए एवं स्वयं से छोटे तथा समान स्तर के व्यक्तियों के लिए 'तुम्हें' या 'तुम' या 'आप' का भी प्रयोग करना चाहिए। किसी भी बात का उत्तर ऐसा नहीं होना चाहिए कि सुनने वालों को लगे कि कठोर वाणी का प्रयोग किया जा रहा है।

विनम्रता केवल बड़ों के प्रति नहीं बरतनी चाहिए बल्कि बराबर वालों तथा अपने से छोटों के प्रति भी नम्रता और स्नेह का भाव होना चाहिए। सभी से बोलते समय हमारी वाणी में मिठास रहनी चाहिए, कटुता या कर्कशता नहीं होनी चाहिए। अपने यहाँ किसी के आने पर हमको उसका स्वागत प्रसन्नता एवं संतोष से करना चाहिए। बड़े व्यक्तियों के बैठने के बाद ही हमें बैठना चाहिए।

हम अक्सर देखते है कि पार्क एक ऐसा स्थान होता हैं जहाँ प्रत्येक वर्ग के लोग खेलने, योगा करने, मित्रों से मिलने, निजी पशुओं को घूमाने व स्वयं घूमने के लिए एकत्रित

होते हैं। मगर पार्क में कूड़ा करकट फैलाना, पशुओं को शौच करवाना, धक्का मुक्की करना शिष्टता के विरुद्ध है। हमें पार्क संबधी कुछ नियमों को अपनाकर अपनी शिष्टता दर्शानी चाहिए। महिलाओं के प्रति हमारे व्यवहार में और भी विनम्रता का होना आवश्यक है। बस या रेल में हमें महिलाओं को खड़ा देखकर उन्हें अपनी सीट देना शिष्ट व्यवहार का उदाहरण है। अपने से बड़े व्यक्तियों के आगे चिल्लाकर बोलना या ठहाका लगाकर हँसना अनुचित माना जाता है। उसी प्रकार बड़े-बुजुर्ग के साथ चलते समय उनके आगे चलने लगना भी अशिष्टता है। हाँ, उनके लिए झट से आगे होकर दरवाज़ा खोल देना या फिर राह दिखाना शिष्ट व्यवहार है। विनम्रता और दीनता में अंतर है। विनम्र होते हुए भी हम अपने स्वाभिमान की रक्षा कर सकते हैं। विनम्र व्यवहार का अर्थ चापलूसी नहीं है। अगर कभी यह महसूस हो कि जिनके प्रति हम विनीत हैं, वह हमारा तिरस्कार कर रहा है तो उनकी कृपा प्राप्त करने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। अगर वह हमें दीन-हीन समझकर हमारे प्रति नकारात्मक रूप से दया भाव रखने की चेष्टा कर रहा है तो हमें उसकी कृपा प्राप्त करने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए।

शिष्टाचार का दूसरा गुण है, दूसरों की निजी बातों में दखल न देना। हर व्यक्ति का अपना एक निजी जीवन होता है। इसलिए हमें अकारण किसी से उसका वेतन, उम्र, जाति, धर्म आदि पूछने से बचना चाहिए। यदि कोई कुछ लिख रहा है तो झाँक-झाँककर उसे पढ़ने की चेष्टा करना शिष्टाचार के विरुद्ध होता है। किसी के घर या दफ़्तर जाने पर उसकी वस्तुओं को बिना पूछे उलटना-पलटना अशिष्टता है।

संबोधन

किसी का नाम लेने या लिखने के पहले श्री, श्रीमती या कुमारी लगाना अच्छी बात है। कुछ लोग इनके स्थान पर पंडित, डॉक्टर, बाबू, लाला, मियाँ, मिर्जा आदि लगाते हैं। इसी प्रकार कुछ लोग नाम के बाद 'जी' लगाते हैं। यदि हम किसी को इस तरह संबोधित न भी कर पाए तो हमें सदैव 'आप' कहकर पुकारना चाहिए।

धन्यवाद

यदि कोई हमारे लिए कष्ट उठाता है और हमारी सहायता करता है तो उन्हें धन्यवाद देना चाहिए।

भोजनावसर पर

दूसरों के साथ भोजन करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। हमें खाने में अधीरता नहीं दिखानी चाहिए। चबाते समय मुँह से आवाज़ करना अच्छी बात नहीं। अगर घर में

कोई अतिथि आ जाए तो उनके लिए रुचिकर भोजन परोसना चाहिए। मेहमानों के खाने के बाद भी उनके बर्तन में अनावश्यक भोजन परोस देना उचित नहीं।

अनुशासन

अनुशासन, शिष्टता का एक अनिवार्य साधन है। अनुशासन, समाज में नैतिक नियमों का पालन करना भी हो सकता है। किसी मंदिर, मस्जिद और ऐसी अन्य जगहों पर प्रवेश करने से पहले जूते बाहर रखना, सड़क की बायीं ओर चलना आदि अनुशासन के प्रमुख उदाहरण है। समय पर अपना काम करना, नियमित समय पर पहुँचना अनुशासन का पालन है।

व्यवहार

किसी सभा या बैठक में शोर मचाना, किसी वक्ता को अपनी बात कहने का मौका न देना अशिष्टतापूर्ण व्यवहार है। राष्ट्रगान के समय बैठे रहना, चलना, बोलना भी अशिष्ट व्यवहार है।

अपने मन को संयम में रखकर हमेशा काम करना शिष्ट व्यवहार है। शिष्टाचार से मन को प्रसन्नता मिलती है।

कौशल-वाचन एवं लेखन

शब्दार्थ

अनिवार्य	= जरूरी	नियमित	= रोज़ होने वाला
शिष्ट	= सज्जन	प्रसन्नता	= खुशी
अभिवादन	= आदन सत्कार करना	अनुचित	= जो उचित न हो
कटुता	= कड़वाहट	अधीरता	= जल्दबाज़ी

उच्चारण करें

व्यवहार	स्वास्थ्य	सम्मिलित	नम्रता
कर्कशता	रूचिकर	अशिष्टता	

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को शिष्टाचार संबंधी दो समूह बनाकर संवाद करवाएँ, जिससे बच्चों को उचित-अनुचित व्यवहार के बारे में पता चल सके।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) किसी बड़े व्यक्ति के बुलाने पर आप किन शब्दों का प्रयोग करेंगें?

(ख) विनम्रता किन-किन के प्रति होनी चाहिए?

(ग) दूसरों की निजी बातों में दखल देना क्या कहलाता है?

(घ) शिष्टाचार से मन को क्या मिलती है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) सोनू सबका मन क्यों मोह लेता था?

....

(ख) सभ्य नागरिक बने रहने के लिए हमें क्या-क्या जानना चाहिए?

....

(ग) 'शिष्टाचार' के कौन-कौन से गुण है?

....

(घ) 'धन्यवाद' कब और कैसे देना चाहिए?

....

(ङ) 'विनम्रता और दीनता में क्या अंतर है?

....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थान पूर्ति कीजिए।

धन्यवाद, दीनता, महिलाओं, समाजिक, वृद्धजन

(क) यदि कोई हमारी सहायता करते हैं तो हमें उन्हें .... देना चाहिए।

(ख) विनम्रता और .... में अंतर है।

(ग) मनुष्य एक .... प्राणी है।

(घ) बस, रेल की यात्रा के दौरान हमें .... एवं .... को सीट देनी चाहिए।

ज़रा सोचिए — Critical Thinking

4. वह कौन-से नैतिक मापदंड है, जिससे सभ्यता और संस्कृति का निर्माण होता है? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए — Language Skills

5. सही भाषा पर गौर कीजिए तथा उचित मिलान कीजिए।

(क) सहायक के प्रति	स्नेह
(ख) व्यवहार में	कृतज्ञता
(ग) वाणी में	आदर
(घ) छोटों के प्रति	मिठास
(ङ) बड़ों के प्रति	विनम्रता

6. नीचे दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

(क) संयम – ....

(ख) अनुशासन – ....

(ग) विनम्रता – ....

(घ) शिष्टाचार – ....

(ङ) मेहमान – ....

7. दिए गए वाक्य पढ़िए और बताइए कि इन अवसरों पर हमें कैसा आचरण करना चाहिए?

(क) जब हम सभा में बैठे हैं। ....

(ख) जब राष्ट्रगान गाया जा रहा है। ....

(ग) जब हम भोजन कर रहे हैं। ....

(घ) जब घर में कोई मेहमान आएँ। ....

(ङ) जब हमारे लिए कोई कुछ करे। ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

8. आप अपने से बड़ों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? पाँच पंक्तियाँ लिखिए।

....

....

....

....

....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

9. शिष्टाचार का मूल आधार एक-दूसरे के प्रति सद्‌भावना, सहानुभूति, सहयोग आदि का व्यवहार रखना है। अपने जीवन में शिष्टाचार के महत्वपूर्ण तत्वों का समावेशन किन कार्यों के लिए करते हैं? उसका आपके व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है, अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अध्याय 10

बाल भवन की सैर
(पत्र)

अध्ययन से पूर्व

- चित्र पहचानिए और बताइए यह कहाँ का चित्र है?
- कक्षा में बच्चों के साथ यह चर्चा करें कि क्या आप में से कोई कभी बालभवन घूमने गया है?

पत्र का मूल तत्व

बालभवन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की शारीरिक, मानसिक एवं सृजनात्मक क्षमताओं को बढ़ावा मिलता हैं। जिससे बच्चों में सहयोग, सम्प्रेषण, आत्म-विश्वास की भावना का विकास होता हैं।

एल-43 नंद नंगरी
जयपुर, राजस्थान
दि:- 29-6-2022

प्रिय सारिका,

मुझे मालूम है कि तुम बड़े मज़े से छुट्टियाँ बिता रही हो। तुम छुट्टियों में नृत्य सीख रही हो, यह बहुत अच्छी बात हैं। मैं जानती हूँ कि तुम इस बात के लिए जिज्ञासु रही हो कि बालभवन में क्या-क्या होता है? तो सुनो, मैंने कल बालभवन भ्रमण किया। यहाँ पूरे साल ही बच्चे चित्रकला और हस्तकला का अभ्यास करते रहते हैं।

ग्रीष्म एवं शीतकालीन अवकाश में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं, जैसे- चित्रकला प्रदर्शनी, खेलकूद, नृत्य एवं कल्चर, शिल्पकला आदि। बाल भवन भ्रमण पर मैंने देखा कि वहाँ गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में प्रत्येक बच्चा अपने हाथों से बाल गणेश की मूर्ति बना रहा था। सच में बच्चों द्वारा बनाई गई इन प्रतिमाओं को बनाने का अपना ही आनंद था। प्रत्येक मूर्ति की अपनी एक अलग ही छवि थी। मूर्ति कैसे बनानी होगी, यह प्रश्न बच्चों को बिल्कुल परेशान नहीं कर रहा था। कुछ बच्चों ने मिट्टी की एक गोल आकृति बनाई और उसमें एक सूँड चिपका दी, बस बन गए उनके गणेश।

सभी अपनी उम्र और कुशलता के अनुसार गणेश प्रतिमा में नाक, हाथ, पैर, लड्डू आदि जोड़ते चले जा रहे थे। एक बच्चे द्वारा बनाए गए गणेश ने दाएँ हाथ की अंगुली से अपना मुँह बंद कर रखा था। एक बच्चे को गणेश के चार हाथ चिपकाने में बहुत मुश्किल हो रही थी। अंत में उसने ज़मीन पर ही चार हाथ चिपका दिए। फिर हर हाथ पर एक-एक लड्डू रख दिया। उसने बड़ी सरलता से अपना हल ढूँढ लिया। मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई कि यहाँ बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने के अनेक अवसर उपलब्ध थे। बाल-भवन के दक्षिण दिशा में एक हॉल था, जहाँ दही-हांडी के पूर्व पर हर बच्चा एक-एक मटकी रंगने का काम करता दिखा। बच्चों की ऊँचाई के अनुसार मटकियों को टांगा जा रहा था और इस बात का ख्याल भी रखा जाता था कि प्रत्येक बच्चे

को मटकी फोड़ने का अवसर जरूर मिले। हाँ, अगर कोई बच्चा मटकी नहीं फोड़े, तो कम-से-कम उस पर वार तो अवश्य कर पाए ताकि सभी बच्चे मटकी फोड़ने का आनंद उठाएँ। मज़ा दोगुना करने के लिए उन्होंने कुछ अन्य गतिविधियाँ भी की। जैसे-पानी और कीचड़ का एक विशाल गड्ढा बनाया जाना ताकि हांडी फोड़ने के दौरान सभी कीचड़ में जा गिरे। उनके हँसते चेहरों को देखकर मुझे बहुत खुशी मिली। दीपावली के लिए दीयों को रंगना, रंगोली बनाना, ग्रीटिंग कार्ड बनाना और मोमबत्ती बनाने का सारा काम बच्चे खुद ही कर रहे थे। बड़े लोगों को त्योहारों में कोई नवीनता भले ही न दिखे लेकिन बच्चों के लिए हर साल त्योहार एक नया जोश और उत्साह लेकर आता है। तुम भी तो हर त्योहार पर कुछ-न-कुछ नया करती रहती हो ना!

अपने मम्मी-पापा को मेरा नमस्ते कहना। मीनू को मेरी तरफ से स्नेह देना। एक बढ़िया-सा नृत्य वीडियो बनाकर मेरे लिए भेजना मत भूलना।

तुम्हारी सहेली

अंकिता

शब्दार्थ

अवकाश	= छुट्टी	नृत्य	= नाच
जिज्ञासु	= किसी बात को जानने की इच्छा रखना	भ्रमण	= घूमना
उत्सव	= पर्व, मेला	हस्तकला	= हाथ की कला
प्रतिमा	= मूर्ति		

उच्चारण करें

नवीनता उत्साह कार्यक्रमों आयोजन छवि

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका पठन-पाठन के दौरान बाल भवन के संदर्भ में रोचक जानकारी को कक्षा में बच्चों के साथ चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बताइए

Speaking Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।**

(क) सारिका को पत्र किसने लिखा?

(ख) सारिका छुट्टियों में क्या सीख रही थी?

(ग) अंकिता ने सारिका को किस जगह का अनुभव बताया?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) सारिका अपनी सहेली अंकिता से क्या जानना चाहती थी?

....

(ख) बालभवन की यात्रा में बच्चे गणेश की प्रतिमा को किस प्रकार बना रहे थे?

....

(ग) दही- हांडी के कार्यक्रम के लिए बालभवन में बच्चों ने क्या किया?

....

(घ) प्रत्येक वर्ष त्योहार किस प्रकार नया जोश और उत्साह लेकर आते हैं? लिखिए।

....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

3. **बालभवन की तरह और कौन-सी ऐसी संस्था हैं, जो शिक्षा मंत्रालय द्वारा बच्चों के समग्र विकास के लिए कार्यरत है? सोचकर उन संस्थाओं के नाम भी बताइए।**

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

4. **'कला' शब्द में प्रत्यय को जोड़ते हुए कुछ नए शब्द बनाइए।**

....

....

5. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।

(क) बच्चा - .... (ख) त्योहार - ....

(ग) प्रतिमा - .... (घ) छुट्टी - ....

6. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) आनंद - ....

(ख) दोस्त - ....

(ग) नया - ....

(घ) पानी - ....

(ङ) भवन - ....

7. दिए गए उदाहरण के अनुसार नए शब्द बनाइए।

उदाहरण- ट + ट = ट्ट - .... च् + च = च्च - ....

त् + य = त्य - .... ट् + ठ = ट्ठ - ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

8. आप अपनी छुट्टियों में क्या-क्या काम करना चाहेंगे? अपनी कक्षा में इस पर चर्चा कीजिए।

9. आप अपने मित्र/सहेली को किसी यात्रा के संबंध में बताते हुए एक पत्र लिखिए।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. भारत के कुछ प्रमुख संग्रहालयों की सूची तैयार करें व यह भी पता लगाएँ कि वह भारत के किन राज्यों में स्थित हैं?

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

11. पत्र लेखन एक व्यवहारिक कला है जिसके द्वारा हम अपने अनुभवों को भी साझा करते हैं। आप भी अपने जीवन का कोई अनुभव पत्र के माध्यम से कक्षा के सहपाठियों संग साझा करें।

अध्याय 11

सर आइज़क न्यूटन
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

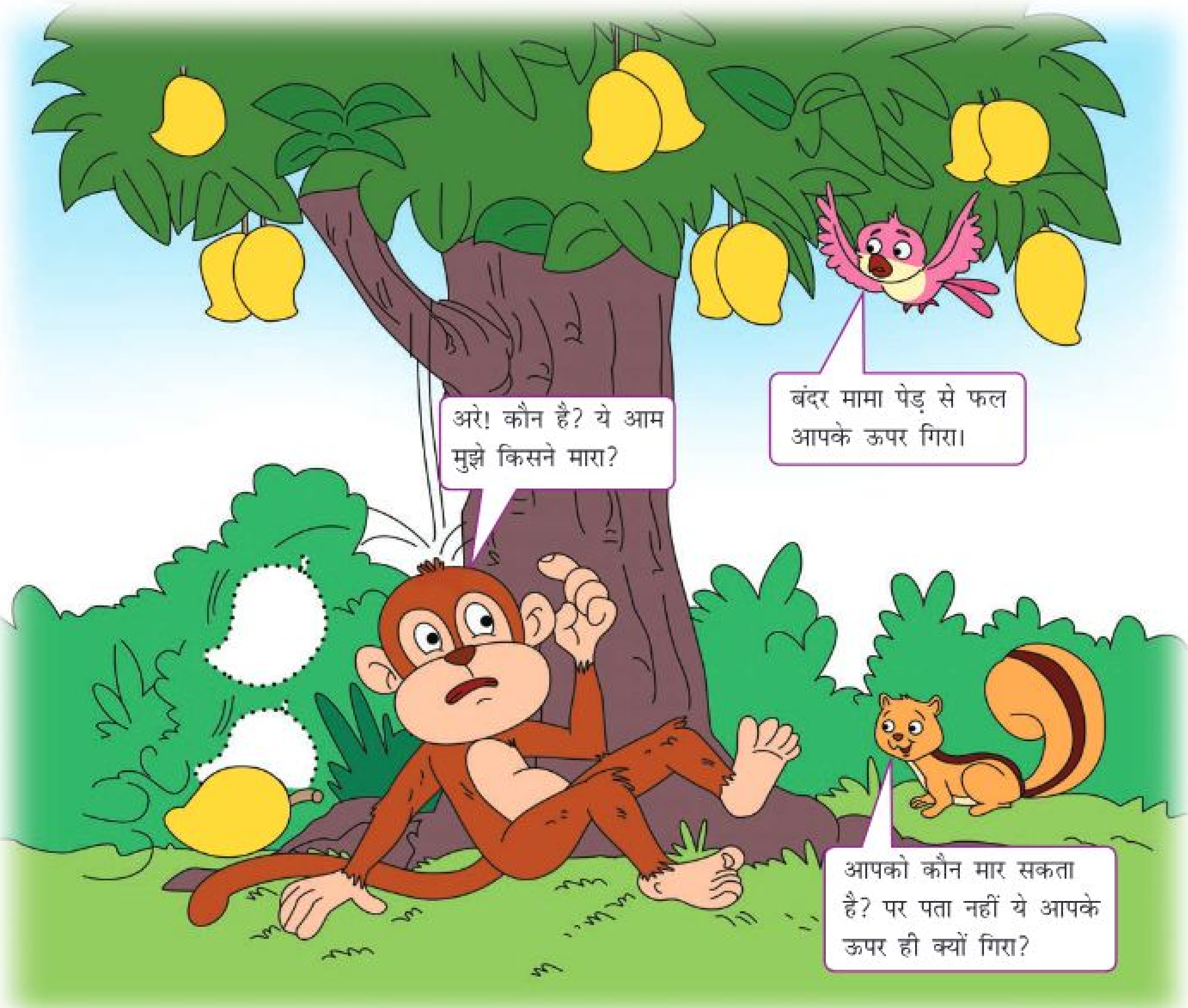

कविता का मूल तत्व

विज्ञान एक व्यवस्थित ज्ञान एवं विद्या है जिसके माध्यम से विषय की प्रकृति व सिद्धांतों को जानने का प्रयास किया जाता है।

आओ बच्चों, सुनो कहानी,
बात सैकड़ों वर्ष पुरानी,
जन्मे भू पर एक गुणीजन,
नाम था, सर आइज़क न्यूटन।

एक दिवस उपवन में आकर,
लगे टहलने आइज़क न्यूटन,
सहसा सेब गिरा ऊपर से,
चौंके न्यूटन उसे देखकर।

सोच रहे थे यही निरंतर,
सेब गिरा क्यों केवल भू पर,
जब यह डाली पर लटका था,
फिर क्यों नहीं गया यह ऊपर।

खोजा खूब और पता लगाया,
सारी दुनिया को बतलाया,
सब चीज़ों पर देकर ज़ोर,
धरती खींचे अपनी ओर।

चुंबकवाला यह अपनापन,
कहलाता है गुरुत्वाकर्षण,
बस इस एक खोज के चलते,
अमर हो गए आइज़क न्यूटन।

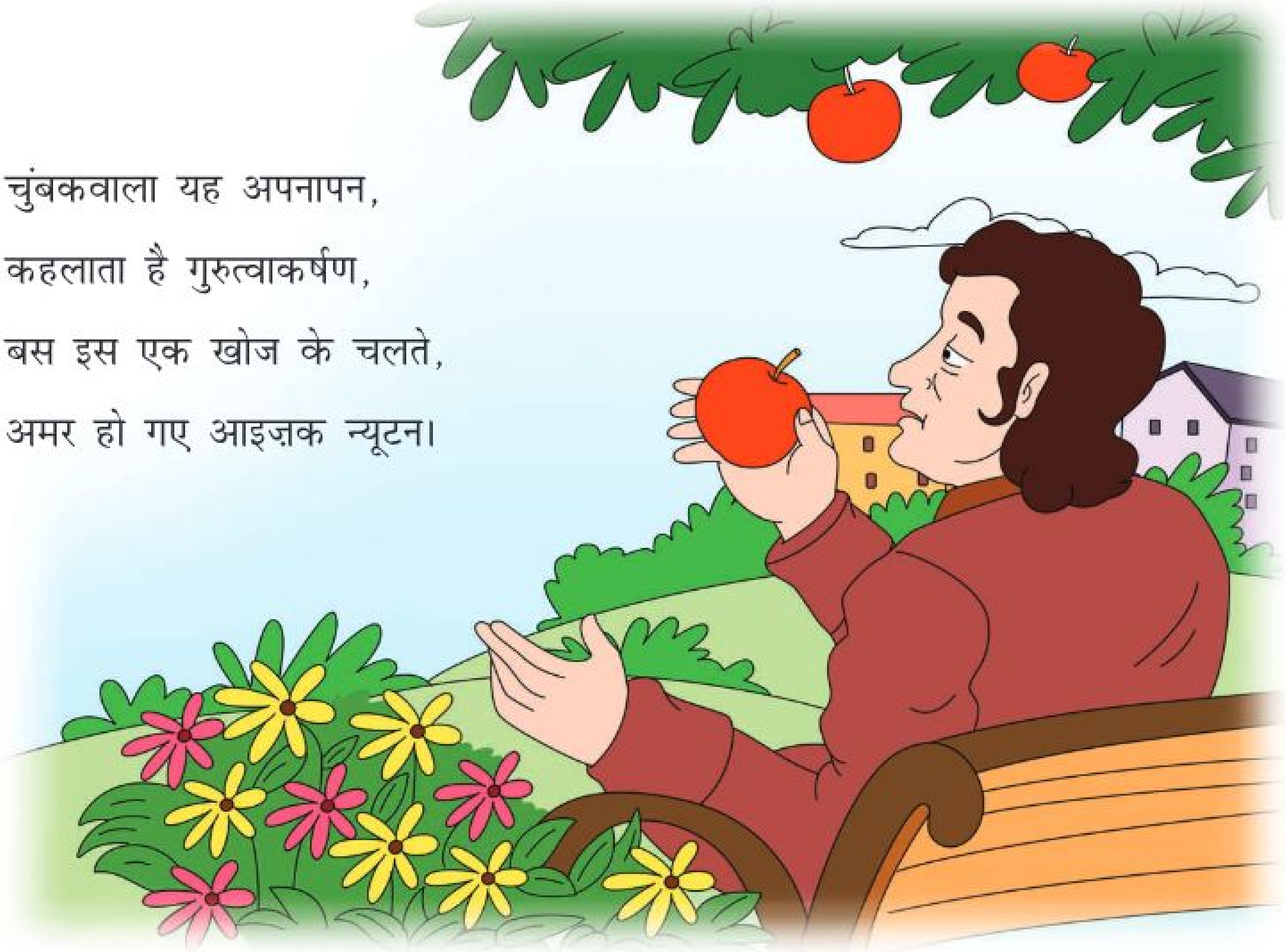

शब्दार्थ

सैकड़ों	= सौ वर्ष से अधिक वर्ष	गुणीजन	= गुणों से पूर्ण जन/व्यक्ति
उपवन	= बाग़	दिवस	= दिन

उच्चारण करें

गुरुत्वाकर्षण चुंबकवाला अपनापन न्यूटन निरंतर

शिक्षण संकेत

कविता के माध्यम से कक्षा में चर्चा करना कि पृथ्वी में ही केवल गुरुत्वाकर्षण शक्ति मौजूद है जिसके कारण पृथ्वी पर चीज़ें टिकी रहती है जबकि अंतरिक्ष में चीज़ें हवा में तैरती रहती है।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) न्यूटन कौन थे?

(ख) न्यूटन के ऊपर क्या आकर गिरा था?

(ग) धरती चीज़ों को किस ओर खिचती है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'गुरुत्वाकर्षण शक्ति' के खोजकर्ता कौन थे?

....

(ख) 'गुरुत्वाकर्षण शक्ति' किसे कहते हैं?

....

(ग) गुरुत्वाकर्षण से हमें क्या लाभ हैं?

....

3. दिए गए शब्दों से वाक्यों के खाली स्थान भरिए।

वैज्ञानिक	धरती	गुरुत्वाकर्षण	सेब

(क) पेड़ से फल .... की ओर गिरा।

(ख) न्यूटन ने .... की खोज की।

(ग) न्यूटन एक बड़े .... थे।

(घ) अचानक पेड़ से .... गिरा।

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. पृथ्वी ग्रह के अलावा क्या कोई और ग्रह है जहाँ गुरुत्वाकर्षण जैसी शक्ति मौजूद है? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

....

....

....

....

....

....

....

5. जब सभी चीज़ें गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस धरती की तरफ आती है, तो वायुयान हवा में क्यों रहता है? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. सही मिलान कीजिए।

(क) न्यूटन	(i) टहलने
(ख) पेड़	(ii) चुंबकीय शक्ति
(ग) उपवन	(iii) वैज्ञानिक
(घ) गुरुत्वाकर्षण	(iv) आम

7. दिए गए शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए।

(क) दूनीया – ....

(ख) चुबंकवाला – ....

(ग) सेकड़ौ – ....

(घ) खौज़ – ....

8. दिए गए शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए।

(क) कहानी - .... (ग) चीज़ - ....

(ख) डाली - .... (घ) वर्ष - ....

9. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) निरंतर - ....

(ख) अपनापन - ....

(ग) गुणीजन - ....

(घ) उपवन - ....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. कितना ऊपर जाने के बाद चीज़ें वापस नहीं आती?

11. न्यूटन की जीवनी और उनके साथ घटित घटना और गुरुत्वाकर्षण को अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

12. गुरुत्वाकर्षण के कारण चीज़ें भले ही वापस आती हो, किन्तु किसी को कहे जाने वाले अपशब्द कभी वापस नहीं लिए जा सकते। क्या आपने भी कोई ऐसा सराहनीय प्रयास किया है, जिसका फल आपकी ओर वापस आया हो?

अध्याय 12

सैर सपाटा
(डायरी लेखन)

अध्ययन से पूर्व

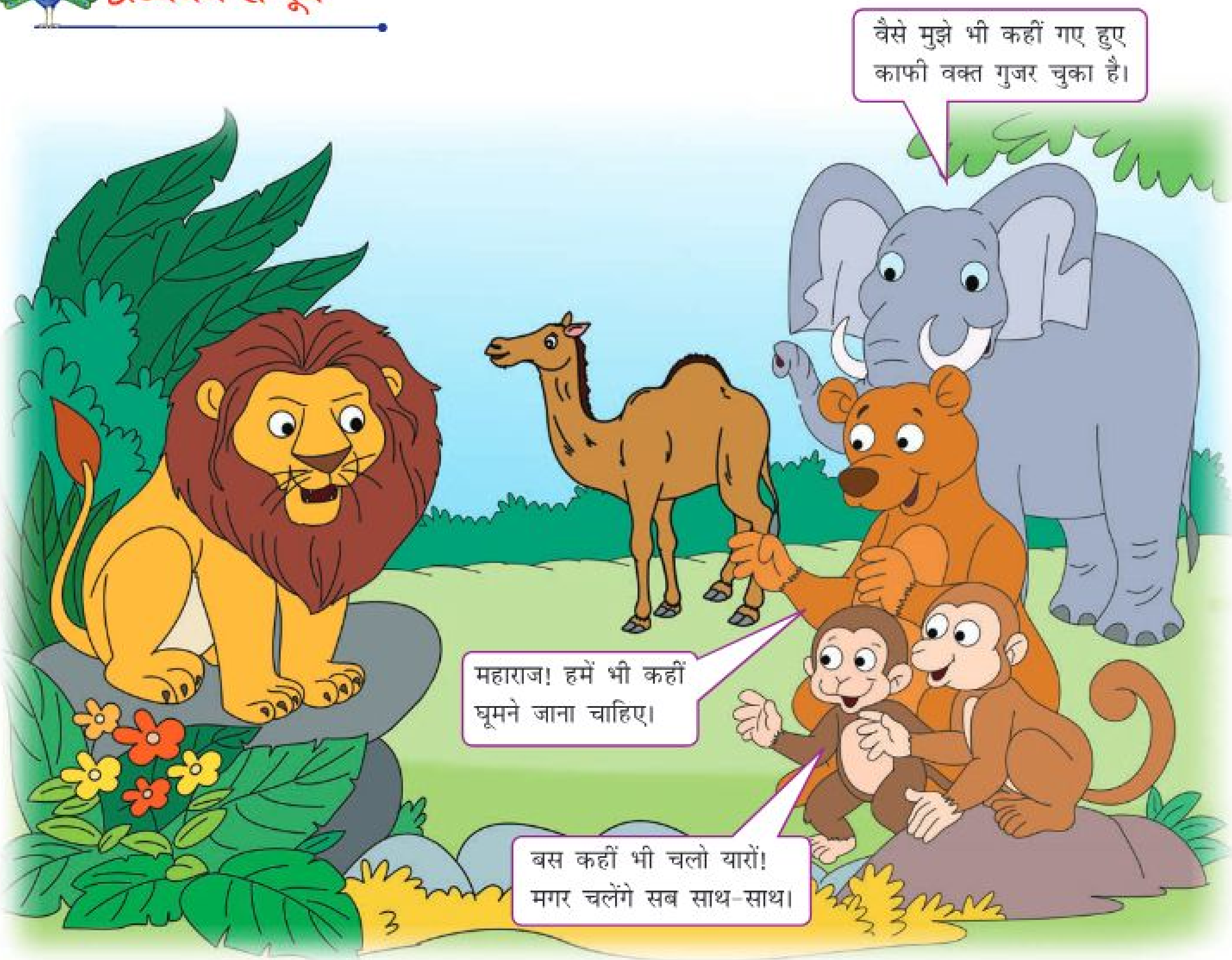

- कक्षा चर्चा के दौरान बच्चों से पूछें कि उन्हें कहाँ जाना सर्वाधिक पसंद है?

एकांकी का मूल तत्व

अपनी स्मृतियों को संभाल कर रख पाने की कला डायरी लेखन द्वारा ही संभव होती है।

कुछ दिनों पहले हम सभी भाई-बहनों की छुट्टियाँ हुई और मैंने पिताजी से चिड़ियाघर घूमने की इच्छा जताई। पिताजी ने दिल्ली का चिड़ियाघर देखने की योजना बनाईं। उन्होंने बताया कि चिड़ियाघर में कई तरह के जीव-जंतु है, जो जल, थल और वायु में रह सकते हैं। इतना सुनते ही मेरी खुशी का ठिकाना न रहा कि मुझे यह जानने और देखने का अवसर मिलेगा कि चिड़ियाघर में जानवर किस तरह अपना जीवन व्यतीत करते हैं?

जानवर और पक्षी

वैसे तो चिड़ियाघर में अनेक प्रकार के जीव-जंतु और पक्षी दिखाई देते हैं परंतु इस बार मैंने एक खुला क्षेत्र देखा जो चारों ओर तारों की बाड़ से घिरा हुआ था। वहाँ अनेक नए पक्षी दिखाई दे रहे थे। वहाँ बड़े आकार के तोते भी थे जो अपनी बड़ी और लाल चोंच से इतनी चहचहाहट कर रहे थे कि आसपास का वातावरण शोरगुल से भर गया था। साथ के पिंजरों में दूसरे पक्षी भी थे जो धीमे स्वर में चहचहा रहे थे। एक पिंजरे में हमने बड़े आकार के उल्लू देखे तो अपनी गेंद जैसी बड़ी आँखों से हमारी ओर घूर रहे थे।

बाघों को जिस गुफा क्षेत्र में रखा गया था वो बिल्कुल प्राकृतिक वास की तरह लग रहा था जहाँ बाघ के छोटे बच्चे अपनी बाघिन माँ के इर्द-गिर्द मंडरा रहे थे। मगर बाघिन आरामदायक मुद्रा में थी क्योंकि वह गहरी नींद में जो सो रही थी। कुछ आगे चलने पर हमने बंदरों को उधम-चौकड़ी मचाते देखा। वे एक दूसरे की पीठ खुजलाते हुए, खूब

ज़ोर-ज़ोर से चीख पुकार करते हुए एक डाल से दूसरी डाल पर कूद रहे थे। वे इतने व्यस्त प्रतीत हो रहे थे, मानो उन्हें किसी ने पहले ही बता दिया हो कि चिड़ियाघर में मेहमान आ रहे हैं।

दिलचस्प जानवर

मुझे चिड़ियाघर का सबसे चुस्त जानवर ऊद-बिलाव दिखा जो एक बड़े से तालाब में मज़े से तैर रहा था, वहीं दूसरी ओर तालाब में दरियाई घोड़ा सुस्ती फैला रहा था। ऊद-बिलाव के बच्चे अपने पिता की गतिविधियों का अनुकरण करते दिखे।

ज्ञानवर्धक सैर

चिड़ियाघर से बाहर आने से पहले हमने वहाँ ड्यूटी पर तैनात एक चौकीदार से चिड़ियाघर की साफ़-सफ़ाई, जानवरों की देखभाल, परिवेश इत्यादि बिंदुओं पर खुलकर चर्चा की। इस तरह हम सबका चिड़ियाघर देखना बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा। मुझे अनेक पशु-पक्षियों का ज्ञान हो गया और जंगली जानवरों ने मेरे विज्ञान के ज्ञान में उन्नति की। मुझे चिड़ियाघर में बहुत आनंद आया। हमने वहाँ खूब उछल-कूद और मौजमस्ती की। इस तरह चिड़ियाघर की सैर हमारे लिए हमेशा यादगार बनी रहेगी।

शब्दार्थ

योजना	= पूर्व तैयारी	थल	= धरती
शोरगुल	= ऊँची आवाज़ में बोलना	इर्द-गिर्द	= आसपास
अनुकरण	= नकल करना	आनंद	= मज़ा

उच्चारण करें

व्यस्त   रुचि   उधम   गतिविधि   ज्ञानवर्धक

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका पाठ के माध्यम से बच्चों को चिड़ियाघर के संपूर्ण जानवरों के बारे में विस्तारपूर्वक बताएँ साथ ही यह पूछें कि बाड़े में किन जीवों को रखा जा रहा है?

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) चिड़ियाघर में कितने प्रकार के जीव देखने को मिले?

(ख) प्रस्तुत पाठ में कहाँ के चिड़ियाघर को देखने की योजना बनाई गई?

(ग) चिड़ियाघर में शोरगुल कौन मचा रहे थे?

(घ) गहरी नींद में कौन सो रही थी?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) चिड़ियाघर को देखने की योजना किसने बनाई थी?

....

(ख) चिड़ियाघर को देखने के लिए कौन-कौन गया?

....

(ग) चिड़ियाघर में ऊद-बिलाव के बच्चे किस प्रकार की गतिविधि कर रहे थे?

....

(घ) चिड़ियाघर के आसपास का परिवेश कैसा लग रहा था?

....

3. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर (✓) या (✗) का निशान लगाइए।

(क) चिड़ियाघर में घोड़ा भी था, किन्तु वह सुस्त पड़ा था। ☐

(ख) बड़ी और लाल रंग की चोंच वाले तोते भी थे। ☐

(ग) बाघिन के बच्चे अपनी माँ के पास नहीं थे। ☐

(घ) चिड़ियाघर में अनेकों तैनात चौकीदार दिखे। ☐

4. उचित मिलान कीजिए।

(क) उल्लू	(i) शोरगुल
(ख) दरियाई घोड़ा	(ii) घूरना
(ग) बंदर	(iii) सुस्त
(घ) तोते	(iv) उधमचौकड़ी

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. पाठ में कौन से जीवों के विषय में चर्चा नहीं हुई है? क्या ये प्रजातियाँ लुप्त हो गई होंगी? सोचकर बताइए।

6. चिड़ियाघर के जीवों के मध्य होने वाले संवाद को पूरा कीजिए।

बंदर – कितना मज़ा आ रहा है, एक डाल से दूसरी डाल पर कूदकर।

हाथी – काश! "मैं भी तुम लोगों की तरह उछल सकता।"

तोते – अरे! घबराते क्यों हो? उछल नहीं सकते तो उड़ना सीख लो।

बंदर – ....

तोते – ....

हाथी – ....

बंदर – ....

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. 'प्र' उपसर्ग लगाते हुए दिए गए शब्दों से नए शब्द बनाइए।

प्र

(क)	वेश
(ख)	कार
(ग)	हार
(घ)	सिद्ध

8. दिए गए वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए।

(क) स् + अ + क् + ऊ + ल् + अ = ...

(ख) च् + अ + ह् + अ + च् + आ + ह् + अ + ट् + अ = ...

(ग) अ + न् + उ + क् + अ + र् + अ + ण् + अ = ...

(घ) अ + च् + छ् + आ = ...

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

9. ऐसे पाँच जीवों के नाम लिखिए जो थल और जल दोनों जगह रह सकते हैं?

....

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

10. दिए गए चित्र में रंग भरिए।

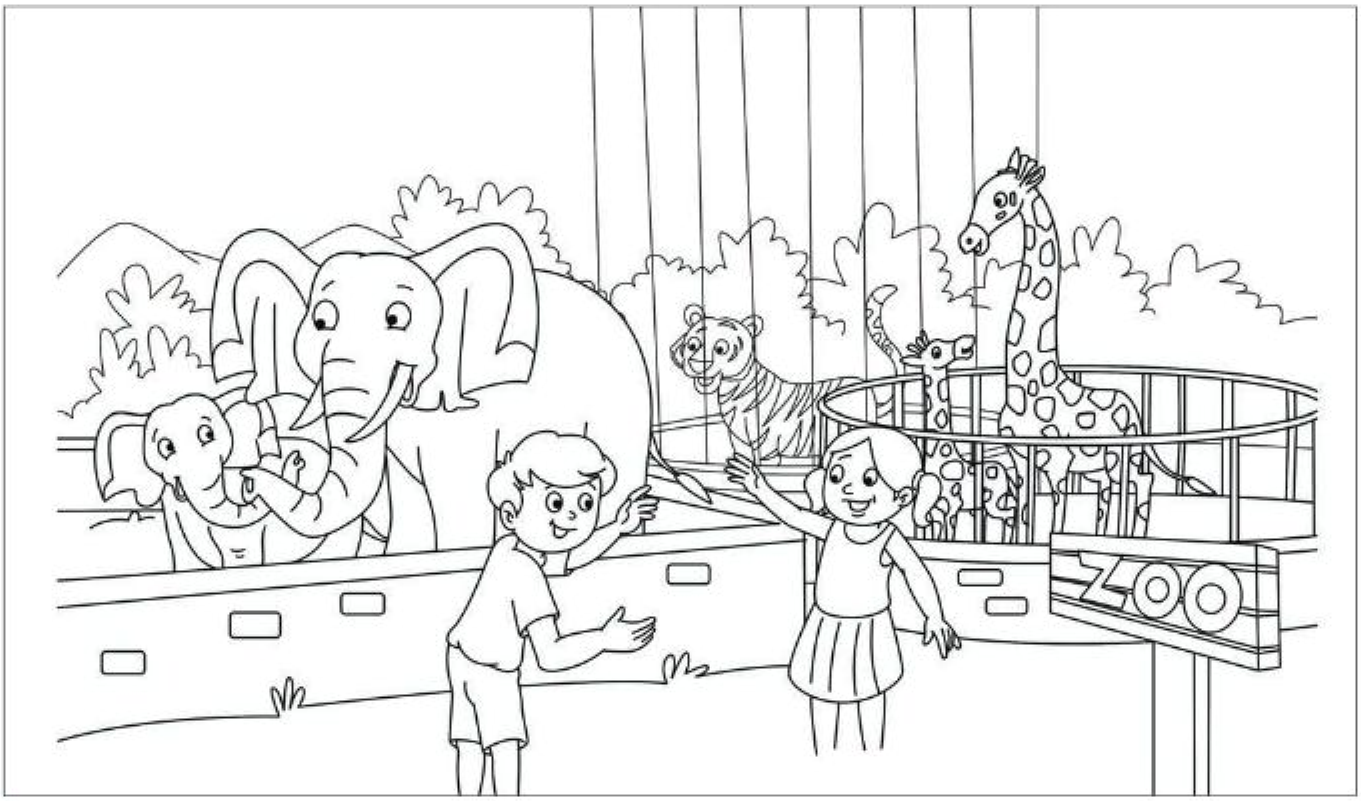

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Questions

11. अनेकता में एकता और विभिन्नता में समानता जीवन कौशल की कला है। इस कला को अपनाना क्यों आवश्यक है? बताइए।

अध्याय 13

भारत माँ के वीर सपूत
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

कविता का मूल तत्व

प्रस्तुत कविता में महाराणा प्रताप की वीरता और चेतक की चपलता का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

चेतक पर चढ़ जिसने, भाला से दुश्मन संघारे थे...
मातृभूमि के खातिर, जंगल में कई साल गुजारे थे...

झुके नहीं वह मुगलों से, अनुबंधों को ठुकरा डाला...
मातृभूमि की भक्ति का, नया प्रतिमान बना डाला।

हल्दीघाटी के युद्ध में, दुश्मन में कोहराम मचाया था,
देख वीरता राजपूताने की, दुश्मन भी थर्राया था।

बलिदान पर राणा के भारत माँ ने, लाल देश का खोया था,
वीर पुरुष के देहावसान पर, अकबर भी फ़फ़क के रोया था।

भारत माँ का वीर सपूत, हर हिंदुस्तानी को प्यारा है,
कुँअर प्रताप जी के चरणों में, सत्-सत् नमन हमारा है।

शब्दार्थ

संघारे	= मौत के हवाले करना	युद्ध	= लड़ाई
कोहराम	= भगदड़ मच जाना	अनुबंध	= समझौता
थर्राया	= काँपना	प्रतिमान	= आदर्श

उच्चारण करें

मातृभूमि हल्दीघाटी बलिदान हिंदुस्तानी मुगल

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कक्षा में महाराणा प्रताप और मुगल शासक अकबर के बीच हुए हल्दीघाटी युद्ध के संबंध में विस्तारपूर्वक बताएँ साथ ही महाराणा प्रताप की जीवनी और चेतक की वीरता को भी समझाएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) 'महाराणा प्रताप' के घोड़े का क्या नाम था?

(ख) 'महाराणा प्रताप' किसके आगे नहीं झुके थे?

(ग) हल्दीघाटी का युद्ध किसके बीच लड़ा गया था?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'महाराणा प्रताप' ने युद्ध में किस प्रकार से वीरता का प्रदर्शन किया था?

....

(ख) अकबर क्यों फ़फ़क रोया था?

....

(ग) प्रस्तुत कविता में 'मातृभूमि का लाल' किसे कहा गया है और क्यों?

....

(घ) प्रस्तुत कविता में किसका गुणगान किया गया है?

....

3. कविता की रिक्त पंक्तियाँ उचित शब्दों के द्वारा पूरी कीजिए।

(क) झुके नहीं ....

.... प्रतिमान बना डाला।

(ख) हल्दीघाटी ....

.... थर्राया था।

4. सही मिलान कीजिए।

(क) हल्दीघाटी	(i) अस्त्र
(ख) अकबर	(ii) युद्ध का मैदान
(ग) महाराणा प्रताप	(iii) मुगल शासक
(घ) भाला	(iv) राजपूत वीर

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. 'महाराणा प्रताप' के घोड़े 'चेतक' की क्या विशेषताएँ थी? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) जंगल – ....

(ख) माँ – ....

(ग) नया – ....

(घ) युद्ध – ....

7. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने वाला – ....

(ख) साल में एक बार होने वाला – ....

(ग) जो सबको प्यारा हो – ....

(घ) जो हिंदुस्तान का नागरिक हो – ....

8. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) दुश्मन – .... (ख) वीरता – ....

(ग) नया – .... (घ) खोया – ....

9. दिए गए वाक्यों में कारक विभक्ति लगाकर वाक्य पूरा कीजिए।

पर ने से का

(क) महाराणा प्रताप .... मुगल शासक अकबर .... युद्ध किया।

(ख) महाराणा प्रताप .... चेतक .... चढ़ दुश्मन संहारे।

(ग) मातृभूमि .... भक्ति .... नया आदर्श बना डाला।

(घ) भारत माँ .... लाल देश .... खोया था।

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. दिए गए अंक ग्रिड में से उचित संख्या ढूँढकर उत्तर लिखिए।

1	4	0
1	5	3
8	9	7
0	2	6

(क) हल्दीघाटी का युद्ध .... में लड़ा गया था।

(ख) 'महाराणा प्रताप' का जन्म 9 मई .... को हुआ था।

(ग) 'महाराणा प्रताप' की मृत्यु .... को हुई थी।

(घ) उनका वज़न .... किलो और उनके भाले का वज़न .... किलो था।

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

11. नीचे दिए गए चित्र को पूरा कर उसमें रंग भरिए।

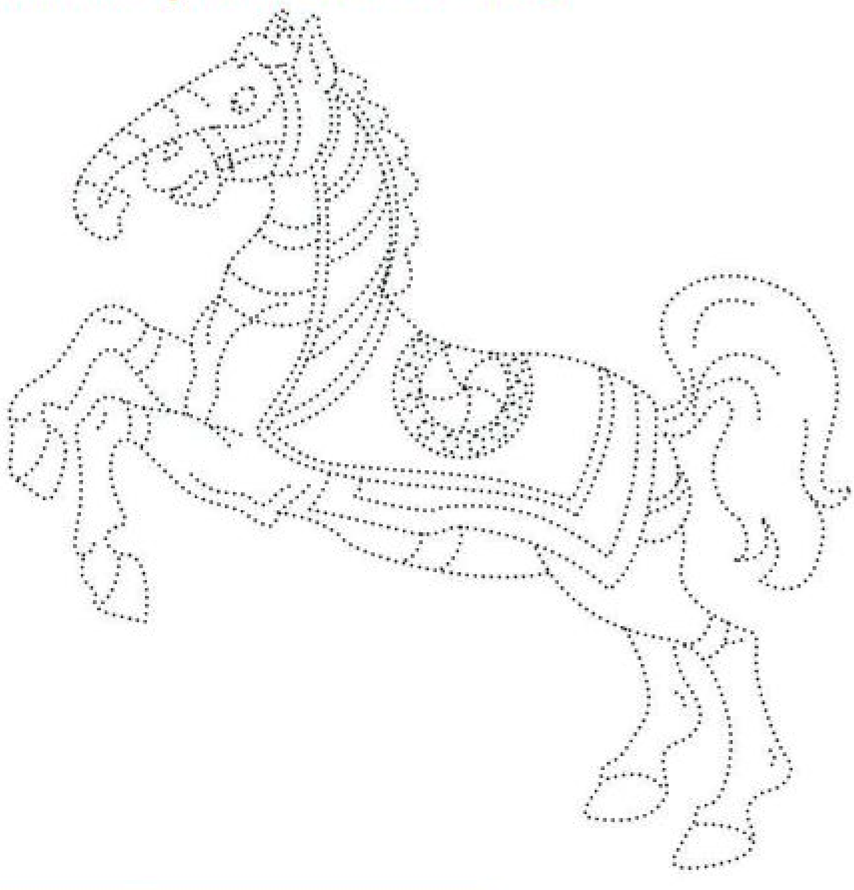

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Questions

12. मनुष्य का गौरव और आत्मसम्मान उसकी सबसे बड़ी कमाई होती है जिसे प्रस्तुत पाठ में दर्शाया गया है। इन मूल्यों को आप अपने जीवन में किन कार्यों के द्वारा अपनाएँगे?

अभ्यास प्रश्न पत्र-1

नाम	कक्षा	अनुक्रमांक ....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) एडीसन को 'वैज्ञानिक जादूगर' क्यों कहा जाता था?

....

(ख) डाकू अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ?

....

(ग) 'वे राजा हैं और हम प्रजा' इस कथन का क्या तात्पर्य है?

....

(घ) बच्चा कविता में क्या बनने की कल्पना कर रहा है?

....

(ङ) तालाब को कछुआ क्यों छोड़ना चाहता था?

....

2. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

(क) फूल – ....

(ख) प्रार्थना – ....

(ग) बंसी – ....

(घ) बादल – ....

(ङ) अपराधी – ....

3. किसने कहा, किससे कहा?

(क) मैं तो ठहर गया, पर तू कब ठहरेगा?

....

(ख) देखो! यह मशीन बोलेगी।

....

(ग) खिड़की वाली जगह घेर लो।

....

(घ) आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है।

....

4. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) जिसके बारे में जानकारी न हो – ....

(ग) जो अधीन होकर रहे – ....

(ख) वह स्थान जहाँ पहुँचना हो – ....

5. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) संकेत – ....

(ख) त्रुटि – ....

(ग) निर्वाह – ....

(घ) भीड़ – ....

6. एकवचन को बहुवचन में बदलिए।

(क) बच्चा – .... (ख) रुपया – ....

(ग) पाठक – .... (घ) चिड़िया – ....

7. दिए गए शब्दों में से प्रत्यय एवं उपसर्ग को अलग-अलग कीजिए।

प्रत्यय		उपसर्ग	
(क) लिखावट –	....	(ख) प्रभाव –	....
(ग) बुढ़ापा –	....	(घ) सत्संग –	....
(ङ) क्रूरता –	....	(च) अवगुण –	....

8. विलोम शब्दों का उचित मिलान कीजिए।

(क) उपकार	(i) पतन
(ख) गुण	(ii) अपकर्ष
(ग) उत्थान	(iii) अपकार
(घ) उत्कर्ष	(iv) अवगुण

अभ्यास प्रश्न पत्र-2

नाम	कक्षा	अनुक्रमांक ....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) 'महाराणा प्रताप' ने किसके अनुबंधों को ठुकरा डाला था?

....

(ख) 'सर आइज़क न्यूटन' ने किस सिद्धांत की खोज की?

....

(ग) त्योहार के अवसर पर बच्चे किस तरह के कार्य करने में अपनी रुचि अधिक दिखाते हैं?

....

(घ) शिष्टाचार की परिभाषा बताइए।

....

(ङ) वीर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कैसे आगे बढ़ते हैं?

....

2. नीचे दिए गए उचित शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए।

दाने कोहराम पहाड़ संतोष

(क) हमें .... के समान डटे रहना चाहिए।

(ख) "तो हम खा लें थोड़े से .... ?"

(ग) हमें सबका स्वागत प्रसन्नता एवं .... से करना चाहिए।

(घ) हल्दीघाटी के युद्ध में दुश्मन में .... मच गया था।

3. नीचे दिए गए रिक्त स्थान में कारक विभक्ति लगाते हुए वाक्य पूरा कीजिए।

(क) राजपूतों .... वीरता से दुश्मन .... हाहाकार मच गया था।

(ख) आविष्कार विज्ञान .... देन है।

(ग) पेड़ों .... घिरे क्षेत्र .... हमने पंछियों .... चहचहाते देखा।

(घ) सुधा ने रमा .... ढ़ेरों चित्र बनाए।

4. **दिए गए शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए।**

(क) ऊतसह - .... (ख) कुरर्ता - ....

(ग) समिल्लित - .... (घ) मात्रभूमी - ....

5. **दिए गए वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए।**

(क) अ + न् + उ + क् + अ + र् + अ + ण् + अ = ...

(ख) प् + अ + र् + अ + य् + आ + स् + अ = ...

(ग) ब् + अ + ल् + इ + द् + आ + न् + अ = ...

(घ) स् + अ + र् + व् + अ + ज्ञ् + अ = ...

6. **दिए गए वाक्यों में कौन-सा शब्द विशेषण है (○) लगाकर बताइए।**

(क) उसकी बड़ी-बड़ी आँखें हमें घूर रही है।

(ख) वह सफ़ेद घोड़ा बहुत ताकतवर है।

(ग) बिजली की चमचमाती-घड़घड़ाती आवाज़ से वो डर गए।

7. **दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द बनाइए।**

(क) जिस व्यक्ति का किसी काम में मन न लगे - ....

(ख) जिसने कभी हार न मानी हो - ....

(ग) दूसरों के प्रति दया रखने वाला - ....

(घ) जो किसी चीज़ का आविष्कार करे - ....

8. **दिए गए धातु रूप से क्रिया शब्द बनाइए।**

(क) उड़ - .... (ख) लिख - ....

(ग) बुद - .... (घ) चख - ....

9. **'प्रति' शब्द को जोड़ते हुए कुछ नए शब्द बनाइए। जैसे- प्रति + मान = प्रतिमान**

(क) .... (ख) ....

(ग) .... (घ) ....